दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K

RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-32 अंक-139 | नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शुक्रवार 10 जुलाई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

आसमानी आफत से देशभर में हाहाकार, मुंबई में उफनीं झीलें, गुजरात में 39 ट्रेनें रद्द

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारत में भीषण गर्मी से राहत लेकर आया मॉनसून अब देशभर में भयंकर विनाश का कारण बनता जा रहा है। राजधानी दिल्ली से लेकर केरल और महाराष्ट्र तक लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। कुदरत के इस रौद्र रूप से सड़क से लेकर रेल और हवाई संपर्क तक पर गहरा असर पड़ा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने दिल्ली समेत देश के कई राज्यों के लिए भारी बारिश का 'रेड' और 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है, जिससे स्पष्ट है कि आने वाले कुछ दिनों तक आम जनता को इस आसमानी आफत से राहत मिलने के कोई आसार नहीं हैं। महाराष्ट्र और गुजरात में लगातार हो रही भारी बारिश ने हालात को बेहद चिंताजनक बना दिया है। मुंबई में भारी जलभराव के कारण सेंट्रल और वेस्टर्न रेलवे की लोकल ट्रेनें 25 से 30 मिनट की देरी से चल रही हैं, जबकि लंबी दूरी की ट्रेनों पर भी इसका भारी असर पड़ा है। खराब हालात को देखते हुए गुजरात जाने वाली 39 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है, 21 ट्रेनों को बीच रास्ते में ही समाप्त करना पड़ा

और 46 ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है। भोर घाट क्षेत्र में हुए भूस्खलन के बाद मुंबई-पुणे मार्ग पर रेल सेवा अभी भी प्रभावित है। वहीं, सूरत में 358 मिमी की रिकॉर्ड बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं, जहां से 3,800 से अधिक लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

मुंबई में ओवरफ्लो हुईं झीलें, टॉर्च की रोशनी में पटरियों पर चले यात्री

लगातार हो रही झमाझम बारिश के चलते मुंबई को पेयजल उपलब्ध कराने वाली सात प्रमुख झीलों में से तुलसी और विहार झीलें मंगलवार देर रात ओवरफ्लो हो गई हैं। बारिश के कारण उपनगरीय रेल सेवाएं बाधित होने से यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा गया कि वसई रोड से आगे ट्रेनें बंद होने के बाद यात्रियों को आधी रात मोबाइल फोन की टॉर्च जलाकर जलमग्न पटरियों पर पैदल चलने के लिए मजबूर होना पड़ा। उधर, पालघर जिले के बाढ़ग्रस्त हनुमानपाड़ा गांव में सड़कें डूबने से एंबुलेंस नहीं पहुंच सकी, जिसके बाद ग्रामीणों ने घर के दरवाजे को ही स्ट्रेचर बनाकर प्रसव पीड़ा से जूझ रही महिला को सीने तक भरे पानी से सुरक्षित बाहर निकाल कर अस्पताल पहुंचाया। महाराष्ट्र के पुणे जिले के पिंपरी-चिंचवड़ में भारी बारिश के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया, जहां कचरे का एक विशाल ढेर तीन मंजिला इमारत पर गिर गया।

उत्तर प्रदेश के गाज़ियाबाद ज़िले के राकेश मार्ग पर लगातार बारिश के कारण एक पेड़ उखड़कर गिर गया।

अमरनाथ गुफा के लिए 8,000 से ज्यादा तीर्थयात्रियों का आठवां जत्था जम्मू से रवाना

जम्मू,(आरएनएस)। कड़ी सुरक्षा के बीच गुरुवार को 8000 से ज़्यादा अमरनाथ तीर्थयात्रियों का आठवां जत्था जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास बेस कैंप से दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित गुफा मंदिर के

दो बेस कैंपों के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि 8150 तीर्थयात्री सुबह-सुबह जम्मू बेस कैंप से 334 गाड़ियों (जिनमें हल्की और भारी मोटर गाड़ियां शामिल थीं) के काफिले में रवाना हुए। इस जत्थे में बालटाल के लिए 3445 और पहलगाम के लिए 4705 तीर्थयात्री शामिल थे। वे कई स्तरों वाली सुरक्षा व्यवस्था के बीच यात्रा के लिए रवाना हुए। यात्रा सुरक्षित और सुचारू रूप से संपन्न हो, इसके लिए नागरिक प्रशासन, पुलिस, सुरक्षा बलों और श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने मिलकर इंतज़ाम किए थे।जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने तीर्थयात्रियों से अपील की है कि वे पक्का रजिस्ट्रेशन होने और यात्रा की तय तारीख पर ही यात्रा करें, क्योंकि बिना रजिस्ट्रेशन वाले किसी भी तीर्थयात्री को बेस कैंप तक जाने की इजाज़त नहीं दी जाएगी।

एथेनॉल पर उठे सवालों के बीच गडकरी का पलटवार, कहा- किसानों की बढ़ रही आय

नई दिल्ली, (आरएनएस)। देशभर में पिछले कई दिनों से एथेनॉल ब्लेंडिंग (पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण) को लेकर छिड़ी बहस और वाहन मालिकों की शिकायतों के बीच केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बड़ा बयान दिया है। कई लोगों द्वारा एथेनॉल युक्त ईंधन से वाहन खराब होने और माइलेज घटने के दावों, तथा खुद पर लगे निजी हितों के आरोपों पर केंद्रीय मंत्री ने न केवल स्थिति साफ की है, बल्कि ठोस आंकड़े पेश कर इसके असल फायदे गिनाए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस पूरी नीति से उन्हें कोई व्यक्तिगत या आर्थिक लाभ नहीं हुआ है। नितिन गडकरी ने ईंधन पर देश की निर्भरता कम होने के आंकड़े पेश करते हुए बताया कि साल 2014 में भारत में एथेनॉल ब्लेंडिंग महज 1.5 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर 20 प्रतिशत के ऐतिहासिक लक्ष्य तक पहुंच चुकी है। इस बड़े बदलाव के कारण देश

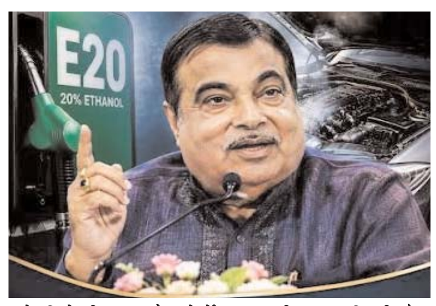

को विदेशी मुद्रा के मोर्चे पर भारी राहत मिली है। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम की वजह से अब तक देश की करीब 1.25 लाख करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा की सीधी बचत हुई है, जिससे पेट्रोल आयात पर देश की निर्भरता घटी है।नीति को कृषि और ग्रामीण भारत के लिए गेम-चेंजर बताते हुए गडकरी ने कहा कि एथेनॉल का उत्पादन बढ़ने से गन्ना, मक्का और अन्य अनाज वाली फसलों की मांग में भारी उछाल आया है। उन्होंने दावा किया कि इस पूरी पहल के माध्यम से लगभग 45 हजार करोड़ रुपये की राशि सीधे देश के किसानों के खातों तक पहुंची है। इससे न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है, बल्कि कृषि क्षेत्र में रोजगार और आय के नए साधन भी विकसित हुए हैं। एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के इस्तेमाल से गाड़ियों के इंजन को नुकसान पहुंचने और माइलेज कम होने के आरोपों पर केंद्रीय मंत्री ने सख्त रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि अब तक ऐसे दावों या आरोपों का कोई भी ठोस वैज्ञानिक प्रमाण (Scientific Evidence) सामने नहीं आया है। गडकरी ने चुनौती देते हुए कहा कि यदि किसी भी व्यक्ति या संस्था के पास इस बात का कोई पुख्ता और वैज्ञानिक तथ्य है कि एथेनॉल की वजह से वाहन खराब हो रहे हैं, तो वे उसे सार्वजनिक रूप से सामने लाएं।

टायर फटते ही धधक उठी बस, इंदौर में समय रहते बची यात्रियों की जान

इन्दौर,(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले से एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है, जहां रीवा से इंदौर आ रही एक यात्री बस में अचानक भीषण आग लग गई। यह दर्दनाक हादसा गुरुवार सुबह करीब 11 बजे शिप्रा थाना क्षेत्र के ठीक सामने घटित हुआ। गनीमत यह रही कि आग की लपटें विकराल रूप लेतीं, उससे पहले ही बस में सवार सभी यात्रियों को सूझबूझ के साथ समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया।

टायर फटने के बाद घर्षण से भड़की आग

शिप्रा थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, जय अंबे ट्रेवल्स की यह बस जब थाने के सामने से गुजर रही थी, तभी अचानक उसका एक टायर जोरदार धमाके के साथ फट गया। टायर फटने के बाद चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए बस को नियंत्रित करने का प्रयास किया। इसी दौरान सड़क और पहिए के बीच हुए तीव्र घर्षण (रगड़) के कारण बस के अगले हिस्से (इंजन की तरफ) से अचानक आग की लपटें उठने लगीं।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद से मिले अखिलेश यादव, बोले- सनातन को अधर्मियों से मुक्त कराने के लिए चर्चा की

नई दिल्ली, (आरएनएस)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से मुलाकात की मुलाकात की तस्वीरें एक्स पर शेयर करते हुए उन्होंने कहा कि हमने सनातन पर आए संकट और उसे अधर्मियों से मुक्त करने के लिए आपस में चर्चा की।

उन्होंने एक्स पर लिखा कि आज प्रात: काल पूज्य शंकराचार्य जी के दर्शन एवं आशीर्वाद के सौभाग्यशाली क्षण और सनातन पर आए संकट को दूर करने व अधर्मियों के चंगुल से धर्म को मुक्ति दिलाने के लिए सार्थक वार्ता। उल्लेखनीय है कि अखिलेश यादव ने अयोध्या के राम मंदिर में हुई चढ़ावा चोरी को लगातार उठाया और इसके सहारे भाजपा पर निशाना साधा। राम मंदिर में चंदा चोरी से दुनिया का हर सनातनी आहतइसके पहले, अखिलेश यादव ने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावा, चंदा व दान चोरी का समाचार समस्त विश्व में फैल चुका है। दुनिया के विभिन्न देशों में रहने वाला सनातनी भाजपा और उनके संगी-साथियों के कृत्यों से हो रही बदनामी की वजह से शर्मसार हैं और इसलिए आहत भी कि उन्होंने भी मंदिर में दान-चंदा भिजवाया था या स्वयं आकर चढ़ाया था।

सैलरी में बढ़ोतरी की तैयारी ? सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ी अपडेट

दिल्ली ,(आरएनएस)। केंद्र सरकार के अधीन काम करने वाले लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए एक बेहद अच्छी खबर सामने आ रही है। चालू वित्तीय वर्ष की दूसरी छमाही यानी जुलाई महीने से मिलने वाले महंगाई भत्ते (DA) में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी होना लगभग तय माना जा रहा है। देश में मौजूद मौजूदा महंगाई की स्थिति और ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (AICPI-IW) के अब तक के रुझानों को देखते हुए आर्थिक मामलों के विशेषज्ञों ने यह बड़ा दावा किया है।

आगामी 13 जुलाई को साफ होगी अंतिम तस्वीर

इस संभावित बढ़ोतरी पर अंतिम मुहर जून महीने के महंगाई के अधिकृत आंकड़े आने के बाद ही लगेगी। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) आगामी सोमवार, 13 जुलाई 2026 को जून महीने के कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (CPI) और खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी करने जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि अब तक के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के ट्रेंड यही इशारा कर रहे हैं कि 3 फीसदी की बढ़ोतरी की संभावना सबसे अधिक मजबूत है और इन आंकड़ों के जारी होते ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो

शिवसेना पार्षद के हमले के बाद ठाणे के डॉक्टर ने इस्तीफा दिया, कहा- वापस नहीं लौटूंगा

ठाणे, (आरएनएस)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में निगम अस्पताल के अंदर डॉक्टर और स्टाफ पर शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) पार्षद रमेश म्हात्रे और अन्य के हमले के बाद डर का माहौल है। कल्याण डोंबिवली नगर निगम (केडीएमसी) द्वारा संचालित शास्त्री नगर अस्पताल में म्हात्रे ने जिन डॉक्टरों पर हमला किया था, उसमे से एक ने इस्तीफा दे दिया है। उनका कहना है कि वह डर में जी रहे हैं और उनका अब ठाणे लौटने का कोई इरादा नहीं है। पीड़ित डॉक्टर ने अपनी पहचान छिपाते हुए कहा, मैंने इस्तीफा दे दिया है क्योंकि वहां बहुत डर का माहौल है। गुंडे हम पर नजर रख रहे हैं, और मैं शहर छोड़कर जा चुका हूं। वे बहुत खतरनाक लोग हैं। बाकी डॉक्टर वहां काम करना जारी रख सकते हैं, लेकिन मैं नहीं कर सकता। मैं वहां दोबारा कभी नहीं जाऊंगा।

स्मार्टफोन और इलेक्ट्रिक वाहन होंगे सस्ते, सरकार ने कस्टम ड्यूटी पर लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली (ए.)। केंद्र सरकार ने देश में इलेक्ट्रॉनिक सामानों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कंपोनेंट्स और पूंजीगत मशीनों (कैपिटल गुड्स) के आयात पर कस्टम

ड्यूटी में राहत देने का फैसला किया है, जिसके पीछे का उद्देश्य स्मार्टफोन, लिथियम-आयन बैटरी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्माण की लागत कम करना तथा घरेलू विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) को बढ़ावा देना है।इस संबंध में केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने तीन अलग-अलग अधिसूचनाएं (नोटिफिकेशन) जारी की हैं। इनके जरिए कस्टम ड्यूटी में छूट और रियायती शुल्क के दायरे में आने वाले सामानों की सूची का विस्तार किया गया है। सरकार ने एक अधिसूचना के तहत ऑटोमोबाइल, मेडिकल और औद्योगिक उपयोग के लिए डिस्प्ले असेंबली बनाने में इस्तेमाल होने वाले पांच प्रमुख कंपोनेंट्स को 31 मार्च 2029 तक मूल सीमा शुल्क (बेसिक कस्टम ड्यूटी) से छूट दी है, जिनमें डिस्प्ले सेल, फ्लेक्सिबल प्रिंटेड सर्किट असेंबली (एफपीसीए), बैकलाइट यूनिट, फ्रेम और एनिसोट्रॉपिक कंडक्टिव फिल्म (एसीएफ) शामिल हैं।हालांकि, यह छूट मोबाइल फोन, स्मार्टवॉच, स्मार्ट मीटर, टीवी पैनल और इंटरैक्टिव फ्लैट पैनल डिस्प्ले के लिए इस्तेमाल होने वाली डिस्प्ले असेंबली पर लागू नहीं होगी।सरकार ने एक अन्य अधिसूचना के जरिए सेलुलर मोबाइल फोन में वायरलेस चार्जिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले इंडक्टर कॉइल मॉड्यूल के निर्माण में उपयोग किए जाने वाले छह कंपोनेंट्स पर भी 31 मार्च 2029 तक शून्य कस्टम ड्यूटी लागू रखने का फैसला किया है। इनमें नैनो-क्रिस्टलाइन असेंबली, ई-शील्ड, पीईटी लाइनर, पीसी शिम, स्ट्रैंडेड और एनएफसी कॉइल तथा नियोडिमियम-आयरन-बोरॉन (एनडीएफईबी) मैग्नेट शामिल हैं।तीसरी अधिसूचना के तहत लिथियम-आयन सेल निर्माण में इस्तेमाल होने वाली मशीनरी की मौजूदा सूची को बदलकर 85 प्रकार के कैपिटल गुड्स की विस्तृत सूची जारी की गई है।

महंगाई की मार से महंगी हुई थाली, टमाटर-तेल और चिकन के बढ़े दामों का असर

नई दिल्ली (ए.)। देश में बढ़ती महंगाई का असर अब आम लोगों की रसोई तक पहुंच गया है। ईंधन से लेकर रोजमर्रा की जरूरतों की चीजों के दाम बढ़ने के बीच जून महीने में चीनी, वनस्पति तेल और सब्जियों की कीमतों में भी तेजी दर्ज की गई है। अब इसका सीधा असर लोगों की खाने की थाली पर दिखाई दे रहा है। क्रिसिल इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के अनुसार, टमाटर और ब्रॉयलर चिकन की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण वेज और नॉनवेज दोनों थाली महंगी हो गई हैं। सब्जियों के बढ़ते दाम जहां शाकाहारी भोजन की लागत बढ़ा रहे हैं, वहीं चिकन की कीमतों में उछाल से नॉनवेज थाली पर भी अतिरिक्त बोझ पड़ा है। क्रिसिल इंटेलिजेंस की मासिक 'रोटी-राइस रेट' रिपोर्ट के मुताबिक, जून 2025 की तुलना में जून 2026 में टमाटर की कीमतों में 31 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, जून 2025 में 32 रुपये प्रति किलोग्राम बिकने वाला टमाटर जून 2026 में बढ़कर 42 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया। टमाटर के बढ़ते दामों का सीधा असर आम लोगों की रसोई और खाने की थाली पर पड़ा है। सब्जियों की लागत बढ़ने से शाकाहारी थाली महंगी हुई है, वहीं खाद्य महंगाई का दबाव लगातार बना हुआ है।

सब्जियों की बढ़ती कीमतों से महंगी हुई थाली, वेज और नॉन-वेज दोनों पर असर

टमाटर की कीमतों में महीने-दर-महीने करीब 17 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसके अलावा आलू के दाम में 5 फीसदी और प्याज की कीमतों में 8 फीसदी का इजाफा हुआ है। सब्जियों की कीमतों में इस तेजी का सीधा असर खाने की थाली की लागत पर पड़ा है।रिपोर्ट के अनुसार, जून महीने में घर पर तैयार होने वाली शाकाहारी थाली की कीमत सालाना आधार पर 5 फीसदी बढ़ी है, जबकि मांसाहारी थाली की लागत में 6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। मासिक आधार पर भी महंगाई का असर देखने को मिला है। जून में शाकाहारी थाली की लागत में 4 फीसदी और मांसाहारी थाली की कीमत में 3 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।सब्जियों और खाद्य तेल की बढ़ती कीमतों के साथ अब ब्रॉयलर चिकन भी महंगा हो गया है।

नॉन-वेज थाली की कुल लागत में चिकन की हिस्सेदारी करीब 50 फीसदी होती है, इसलिए इसकी कीमतों में बदलाव का सीधा असर थाली की लागत पर पड़ता है।रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रॉयलर चिकन की कीमतों में करीब 7 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसके चलते नॉन-वेज थाली की लागत बढ़ी है और उपभोक्ताओं को अब खाने के लिए ज्यादा खर्च करना पड़ रहा है।

कृषि और कृषक कल्याण है सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

मुख्यमंत्री ने किया 30.86 करोड़ रुपए के विभिन्न 12 विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण

भोपाल (आरएनएस) । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, महिला सशक्तिकरण, रोजगार सृजन और आधारभूत विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में कृषि और कृषक सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। किसान कल्याण वर्ष में किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए हैं। प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़कर 55 लाख हैक्टेयर से अधिक पहुंच गया है, जिससे कृषि उत्पादन में निरंतर वृद्धि हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को शाजापुर जिले की कालापीपल तहसील में आयोजित किसान समृद्धि संकल्प सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 30.86 करोड़ रुपए के 12 विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण किया। इनमें 01 करोड़ 45 लाख 56 हजार रूपये की लागत के 04 कार्यों का भूमि पूजन और 29 करोड़ 39 लाख 92 हजार रूपये लागत के 8 कार्यो का लोकार्पण शामिल है। सम्मेलन में किसान भाइयों ने भावांतर भुगतान योजना एवं केसीसी ऋण चुकाने की अवधि बढ़ाने पर मुख्यमंत्री का गजमाला से साथ ही हल भेंटकर एवं महिला किसानों ने राखी बांधकर स्वागत एवं अभिनन्दन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हितग्राहियों को हितलाभ वितरण कर सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परिसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत पौधा भी लगाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं उपस्थित अतिथियों ने एक पेड़ माँ के नाम, हर भरा कालापीपल अभियान अंतर्गत 04 लाख पौधे रोपण के लक्ष्य अन्तर्गत कृषि उपज मण्डी प्रांगण में पौध-रोपण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नागरिकों से अधिक से अधिक पौध-रोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए जनभागीदारी से पौध-रोपण अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कालापीपल क्षेत्र 04 लाख पौधे रोपित करने के लक्ष्य का यह वृक्ष गंगा अभियान का नया रिकॉर्ड बना रहा हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन राशि देने तथा दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए गौपालकों को विशेष सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली बहना योजना अन्तर्गत अब तक लगभग 60 हजार करोड़ रुपये की राशि प्रदेश की बहनों के खातों में अंतरित

की जा चुकी है। इससे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) परियोजना सहित विभिन्न नदी जोड़ो योजनाओं से लाखों हैक्टेयर भूमि सिंचित होगी। इससे शाजापुर सहित अनेक जिलों के किसानों को दीर्घकालीन लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शाजापुर जिले के प्रत्येक गांव तक नर्मदा का पानी पहुंचाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। सरकार इस दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को अब सिंचाई के लिए रात में खेतों पर नहीं जाना पड़ेगा। सरकार चरणबद्ध तरीके से किसानों को दिन के समय ही सिंचाई के लिये विद्युत उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित कर रही है।

पुलिस सैलरी पैकेज योजना से दिवंगत पुलिसकर्मियों के परिवारों को मिला आर्थिक संबल

दमोह में दिवंगत दो पुलिसकर्मियों के आश्रितों को 1-1 करोड़ रुपए की बीमा दावा राशि प्रदान

भोपाल (आरएनएस) । मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कल्याण तथा उनके परिवारों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित पुलिस सैलरी पैकेज (PSP) योजना के अंतर्गत जिला दमोह में पदस्थ दिवंगत दो पुलिसकर्मियों के आश्रित परिवारों को 1-1 करोड़ रूपए की दुर्घटना बीमा दावा राशि प्रदान की गई। पुलिस अधीक्षक कार्यालय दमोह में आयोजित विशेष कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी ने दिवंगत प्रधान आरक्षक श्रीमती शमीम खान एवं दिवंगत आरक्षक भूपेंद्र ठाकुर के आश्रित परिजनों को 1-1 करोड़ रूपए की सहायता राशि के चेक प्रदान किए। दिवंगत प्रधान आरक्षक श्रीमती शमीम खान एवं आरक्षक भूपेंद्र ठाकुर का जून 2025 में दुर्घटना के उपरांत उपचार के दौरान दुखद निधन हो जाने पर उनके वेतन खाते भारतीय स्टेट बैंक में पुलिस सैलरी पैकेज योजना से संबद्ध होने के कारण उनके नामांकित उत्तराधिकारी को दुर्घटनावश मृत्यु बीमा के रूप में 1-1 करोड़ रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा सभी पुलिस कर्मियों को पुलिस वेतन पैकेज खाता के जरिए अनेक वित्तीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इनमें एक करोड़ रुपये का आकस्मिक मृत्यु बीमा, होम लोन पर विशेष ब्याज दरें, मुफ्त डेबिट कार्ड और बीमा परिवार के लिए अतिरिक्त आर्थिक सुरक्षा कवच शामिल हैं।

15 जुलाई से स्कूल-कॉलेजों में चलेगा 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान : कलेक्टर श्री मिश्रा

एनकॉर्ड समिति की बैठक में एंटी ड्रग कमेटियों के गठन, ऑनलाइन ट्रैकिंग और सोशल मीडिया जागरूकता अभियान के दिए निर्देश

भोपाल (ए.)। जिले को नशामुक्त बनाने की दिशा में प्रभावी एवं समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर प्रियंक मिश्रा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय एनकॉर्ड (NCORD) समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय में आयोजित की गई।बैठक में नशीली दवाओं की रोकथाम, अवैध तस्करी पर नियंत्रण, जनजागरूकता और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देश दिए कि 15 जुलाई से पुलिस के 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के अंतर्गत सामाजिक न्याय विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, नशा मुक्ति केंद्रों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं स्टेट मास्टर ट्रेनर राजीव तिवारी के समन्वय से जिले के स्कूलों एवं कॉलेजों में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। इसके लिए विभागवार कैलेंडर तैयार किया जाए। उन्होंने सभी शासकीय महाविद्यालयों में एंटी ड्रग कमेटियों का गठन कर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति करने तथा सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स के सहयोग से युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए।बैठक में ड्रग इंस्पेक्टर को एनकॉर्ड के नियमों का उल्लंघन करने वाले संदिग्ध मेडिकल स्टोर्स का डेटाबेस तैयार करने तथा जिले के नशा मुक्ति केंद्रों के लिए ऑनलाइन ट्रैकिंग सॉफ्टवेयर विकसित करने के निर्देश भी दिए गए, जिससे उपचार एवं पुनर्वास की निगरानी अधिक प्रभावी हो सके।

भोपाल के कमाली मंदिर में प्रतिमाएं हटाने पर विवाद, विरोध के बाद मूल स्थान पर कराई गईं पुर्नस्थापित

भोपाल (आरएनएस) । मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के घोड़ा नक्कास स्थित ऐतिहासिक कमाली मंदिर परिसर में प्राचीन देवी-देवताओं की प्रतिमाएं हटाए जाने को लेकर गुरुवार को विवाद खड़ा हो गया।मंदिर परिसर में प्रस्तावित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के निर्माण की सूचना सामने आने के बाद स्थानीय श्रद्धालुओं और रहवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया। बढ़ते विरोध के बीच हटाई गई प्रतिमाओं को दोबारा उनके मूल स्थान पर स्थापित कराया गया।सूचना मिलने पर हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी मौके पर पहुंचे और समाज के लोगों के साथ विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि व्यापारिक निर्माण की तैयारी के तहत वर्षों पुरानी प्रतिमाओं को बिना धार्मिक परंपराओं का पालन किए उनके मूल स्थान से हटाकर दूसरी जगह रख दिया गया, जिससे श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि कमाली मंदिर का ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व है। उनके अनुसार, यह भूमि तत्कालीन नवाब की बेगम द्वारा कमाली बाबा को दान में दी गई थी। उन्होंने दावा किया कि मंदिर परिसर में पहले से संचालित चेतन मार्केट से लाखों रुपये का किराया प्राप्त होता है, इसके बावजूद एक और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मंदिर के भव्य पुनर्निर्माण का आश्वासन वर्षों पहले दिया गया था। लाल पत्थरों से मंदिर निर्माण की घोषणा के बावजूद करीब छह वर्ष बीत जाने के बाद भी कार्य पूरा नहीं हो सका। ऐसे में प्रतिमाओं को हटाया जाना श्रद्धालुओं की आस्था के विपरीत है।

भोपाल में जनवरी से अब तक मलेरिया के चार, डेंगू के 44 और चिकनगुनिया के मिले 9 मरीज

भोपाल(ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया लगातार पैर पसार रहा है। यहां जनवरी से अब तक मलेरिया के चार, डेंगू के 44 और चिकुनगुनिया के 9 मरीज मिल हैं।जनसम्पर्क अधिकारी अरुण शर्मा ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि डेंगू-चिकुनगुनिया की रोकथाम के लिए मलेरिया कार्यालय द्वारा जनवरी से अब तक दो लाख 24 हजार 434 घरों का सर्वे किया गया। जिसमें 5269 घरों मे लार्वा पाया। इस दौरान 16 लाख 47 हजार 992 कंटेनरों में लार्वा की जांच की गई, जिसमें 5776 कंटेनरों में लार्वा पाया गया। 2181 कंटेनर खाली कराए गए एवं 3595 कंटेनरों में लार्वी साइट दवा डाली गई।उन्होंने बताया कि जनवरी से अब तक 1 लाख 21 हजार 39 लोगों की मलेरिया जांच की गई, जिसमें 4 पाजिटिव पाए गए, जबकि 2 हजार 7 सौ 30 संभावित डेंगू मरीजों की जांच में 44 पाजिटिव पाए गए। इसी तरह 615 संभावित चिकुनगुनिया मरीजों की जांच में 9 पॉजिटिव पाए गए।

भोपाल में एथेनॉल से भरे टैंकर के केबिन में लगी भीषण आग, बड़ा हादसा टला

- टैंकर का केबिन जलकर खाक

भोपाल(ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में गुरुवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। आयशर कॉलेज के पास एथेनॉल से भरे एक टैंकर के केबिन में अचानक भीषण आग लग गई। गनीमत यह रही कि आग टैंकर के पिछले हिस्से तक नहीं पहुंची, जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया। दमकल विभाग की मुस्तैदी से समय रहते स्थिति पर काबू पा लिया गया।जानकारी के अनुसार, यह घटना गुरुवार सुबह करीब 11:15 बजे की है। आयशर कॉलेज के पास सड़क किनारे खड़े या गुजर रहे एक टैंकर के केबिन से अचानक आग की लपटें उठने लगीं। संबंधित डिपो के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि टैंकर के पिछले हिस्से (कंटेनर) में एथेनॉल भरा हुआ था। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची।

फायर फाइटर्स ने सूझबूझ का परिचय देते हुए तत्काल मोर्चा संभाला और महज एक ही फायर ब्रिगेड वाहन की मदद से पानी की बौछारें कर आग पर काबू पा लिया। राहत की बात यह रही कि दमकल कर्मियों ने आग को केबिन तक ही सीमित रखा और उसे पीछे एथेनॉल वाले मुख्य टैंक तक फैलने नहीं दिया। यदि आग टैंक तक पहुंच जाती, तो बड़ा हादसा हो सकता था। हालांकि इस घटना में ट्रक का पूरा केबिन जलकर खाक हो गया।दमकल विभाग और पुलिस अधिकारियों ने बताया कि केबिन में आग किन कारणों से लगी, इसका फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

प्रदेशव्यापी लोक परिवहन बसों के विशेष चेकिंग एवं प्रवर्तन अभियान में 12,209 बसों की हुई जांच

- 12,209 बसों की जांच, 4,787 चालान; गंभीर सुरक्षा खामियों पर हुई सख्त कार्रवाई

भोपाल, (निप्र)। यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिस परिवहन शोध संस्थान द्वारा परिवहन विभाग के समन्वय से संयुक्त रूप से प्रदेशव्यापी लोक परिवहन बसों का विशेष चेकिंग एवं प्रवर्तन अभियान सफलतापूर्वक संचालित किया गया। एक सप्ताह तक चले इस विशेष अभियान का उद्देश्य सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को अधिक सुरक्षित, अनुशासित एवं उत्तरदायी बनाना था। अभियान के दौरान प्रदेश के सभी जिलों में पुलिस एवं परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीमों ने संयुक्त रूप से सघन जांच एवं प्रवर्तन कार्रवाई की। जनसंपर्क अधिकारी राजेश दाहिमा ने गुरुवार को बताया कि अभियान के दौरान प्रदेशभर में 12,209 लोक परिवहन बसों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान बसों में फायर एक्सटिंग्विशर, फर्स्ट एड बॉक्स, आपातकालीन निकास द्वार (इमरजेंसी एग्जिट) सहित अन्य अनिवार्य सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता एवं उनकी कार्यशीलता का परीक्षण किया गया। इसके साथ ही बसों के फिटनेस प्रमाण-पत्र, परमिट, बीमा, प्रदूषण प्रमाण-पत्र तथा अन्य वैधानिक दस्तावेजों की भी गहन जांच की गई। विशेष अभियान के दौरान बिना फिटनेस, बिना परमिट अथवा अन्य आवश्यक वैध दस्तावेजों के बिना संचालित वाहनों सहित मोटरयान अधिनियम एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन संचालकों के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए 4,787 चालान बनाए गए तथा लगभग 33 लाख रुपये का शमन शुल्क (जुर्माना) वसूल किया गया।निरीक्षण के दौरान 128 बसों में गंभीर सुरक्षा संबंधी अनियमितताएं पाई गईं।

सफाई कामगारों की 11 सूत्रीय मांगों को लेकर कांग्रेस शुक्रवार को करेगी मुख्यमंत्री निवास का घेराव

भोपाल (निप्र.)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सफाई मजदूर कामगार प्रकोष्ठ ने प्रदेश के नगरीय निकायों, नगर निगमों, नगर परिषदों और निजी क्षेत्र में कार्यरत सफाई कामगारों के कथित आर्थिक, शारीरिक और मानसिक शोषण के विरोध में 10 जुलाई को मुख्यमंत्री निवास घेराव की घोषणा की है। प्रकोष्ठ का दावा है कि वह सफाई कर्मचारियों की 11 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से मुख्यमंत्री निवास तक पैदल मार्च करेगा। प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष जयराज सिंह चौहान ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत करते हुए आरोप लगाया कि पिछले दो दशकों में राज्य सरकार ने सफाई कामगारों के अधिकारों और हितों की लगातार अनदेखी की है, जिससे कर्मचारियों में व्यापक असंतोष है। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा और लंबित मांगों के समाधान के लिए यह आंदोलन आयोजित किया जा रहा है।

शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने जिला स्तर पर बनेगा कंट्रोल कमांड रूम : कलेक्टर श्री मिश्रा

भोपाल (ए.)। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने जिले की शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और परिणाममुखी बनाने के उद्देश्य से जिला स्तर पर 'सेंट्रलाइज्ड एजुकेशन मॉनिटरिंग सिस्टम' के अंतर्गत अत्याधुनिक कंट्रोल कमांड रूम स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे सामाजिक क्षेत्रों की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा निरंतर उच्चस्तरीय समीक्षा की जा रही है, इसलिए जिले में भी शिक्षा की गुणवत्ता और मॉनिटरिंग को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। कलेक्टर श्री मिश्रा गुरुवार को सांदीपनी विद्यालय, टीटी नगर में आयोजित समग्र शिक्षा अभियान की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक के बाद उन्होंने विद्यालय की कक्षाओं का निरीक्षण कर शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया तथा विद्यार्थियों के साथ विद्यालय के मेस में सहभोज कर उनसे आत्मीय संवाद भी किया।

महिलाओं और बच्चों की डिजिटल सुरक्षा के लिए बनेगा विशेष ऑनलाइन मॉड्यूल : मंत्री सुश्री भूरिया

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और माताओं को साइबर फ्रॉड व डीपफेक से बचाने के लिए दी जाएगी विशेष ट्रेनिंग

भोपाल(आरएनएस)। मध्यप्रदेश में महिलाओं और बच्चों की डिजिटल सुरक्षा, साइबर अपराधों से संरक्षण तथा उनके कल्याण के लिए संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से एक बड़ी पहल की है। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के भोपाल स्थित शासकीय निवास पर गूगल (Google) और अहान फाउंडेशन-रिस्पॉन्सिबल नेटिज़्म के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की। तकनीक के सकारात्मक उपयोग और भविष्य की कार्ययोजना को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में गूगल की सर्च और जेनरेटिव एआई ट्रस्ट एंड सेफ्टी की डायरेक्टर श्रीमती स्निग्धा भारद्वाज, गूगल के सीनियर प्रोग्राम मैनेजर (ट्रस्ट एंड सेफ्टी ग्लोबल एंगेजमेंट-APAC) समीर जाधव, अहान फाउंडेशन की फाउंडर व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्रीमती सोनाली पाटणकर और मुख्य संचालन अधिकारी (सीओओ) उन्मेष जोशी उपस्थित रहे। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री भूरिया ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि महिला एवं बाल विकास विभाग प्रदेश की आधी से ज्यादा आबादी (महिलाओं और बच्चों) का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में उन्हें इंटरनेट सेफ्टी के प्रति जागरूक करना हमारा नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि डिजिटल सुरक्षा और एआई (AI) आधारित महिला एवं बाल संरक्षण वर्तमान समय के बेहद संवेदनशील मुद्दे हैं। आज के युग में मोबाइल और सोशल मीडिया हमारे जीवन को गहराई से प्रभावित कर रहे हैं। हमें एक सकारात्मक और सुरक्षात्मक दृष्टिकोण अपनाकर तकनीक के इस बढ़ते दखल को सही दिशा देनी होगी। मंत्री सुश्री भूरिया ने आगामी बैठक में एक विस्तृत संयुक्त कार्ययोजना प्रस्तुत करने का सुझाव भी दिया, ताकि विभाग और गूगल के बीच समन्वय स्थापित कर इंटरनेट को महिलाओं और बच्चों के लिए आसान, सुलभ और उपयोगी बनाया जा सके। इस बैठक में विभाग और गूगल के बीच एक बेहतरीन कार्ययोजना पर सैद्धांतिक सहमति बनी है। इसके तहत तकनीक के माध्यम से महिलाओं और बच्चों के लिए चलाई जा रही शासकीय जनकल्याणकारी योजनाओं को सीधे और पारदर्शी तरीके से पात्र हितग्राही तक पहुँचाया जाएगा। इसके साथ ही, प्रदेश की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के लिए विशेष ऑनलाइन मॉड्यूल विकसित किए जाएंगे। इन मॉड्यूल्स में कुपोषण निवारण के आधुनिक तौर-तरीकों के साथ साइबर सिक्योरिटी के बुनियादी नियम भी होंगे, ताकि वे ग्रामीण स्तर पर माताओं और बहनों को ऑनलाइन फ्रॉड से बचने के लिए जागरूक कर सकें।

जिला मलेरिया द्वारा डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया से बचाव एवं रोकथाम हेतु विभिन्न गतिविधियां की जा रही आयोजित

भोपाल (आरएनएस)। डेंगू, चिकुनगुनिया रोकथाम के लिए मलेरिया कार्यालय द्वारा जनवरी से अब तक ''दो लाख चैबीस हजार चार सौ चैतीस'' घरों का सर्वे किया गया। जिसमे 5269 घरों मे लार्वा पाया। 1647992 कंटेनरों में लार्वा की जांच की गई जिसमें 5776 कंटेनरों में लार्वा पाया गया। 2181 कंटेनर खाली कराए गए एवं 3595 कंटेनरों में लार्वी साइट दवा डाली गई। जनवरी से अब तक 1 लाख 21 हजार 39 लोगो की मलेरिया जांच की गई जिसमें 4 पॉजिटिव पाए गए इसी तरह 2 हजार 7 सौ 30 संभावित डेंगू मरीजों की जांच में 44 पॉजिटिव पाए गए। इसी तरह 615 संभावित चिकुनगुनिया मरीजो की जांच में 9 पॉजिटिव पाए गए। प्रत्येक जोन के सभी वार्डो मे मलेरिया टीम द्वारा लार्वा सर्वे कार्य किया गया है साथ ही मलेरिया टीम द्वारा विभिन्न वार्डों की संजीवनी क्लीनिक, आंगनवाडियों एवं स्कूलों मे जा कर प्रचार-प्रसार गतिविधियां की जा रही है। वर्तमान में 9 जुलाई से 35 ट्राईवल हॉस्टलस मे छात्रों मे मध्य जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। जोन-1 वार्ड-4 वनट्री हिल्स बैरागढ लार्वा सर्वे, गर्वमेट गर्ल्स स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम, जोन-2 वार्ड-7 रामानंद नगर गुफा मंदिर के पास लार्वा सर्वे, जोन-3 वार्ड-13 नई बस्ती टीलाजमालपुरा, जोन-4 संजीवनी क्लीनिक अरीफ नगर, जोन-5 वार्ड-9 बाग मुंषी हुसैन, जोन-6 वार्ड-47 पंचषील नगर, जोन-7 वार्ड-33 संजीवनी क्लीनिक भीम नगर, जोन-8 वार्ड-28 राहुल नगर, जोन-9 चांदबड शासकी नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जोन-10 वार्ड-42 आमवाली मस्जिद जहांगीराबाद, जोन-11 वार्ड-71 सुभाष कॉलोनी, जोन-12 वार्ड-59 विकास नगर, जोन-13 वार्ड-54 साकेत नगर, जोन-14 वार्ड-57 विष्वकर्मा नगर पद्मनाभ नगर, जोन-15 वार्ड-56 नीरजा नगर, छत्रसाल नगर, छत्रसाल पब्लिक हा.से. स्कूल, जोन-16 वार्ड-68 छत्रपति नगर, जोन-17 वार्ड-78 न्यू लिटिल चिल्ड्रन स्कूल जयनगर, जोन-18 वार्ड-82 दामखेडा शासकीय प्रा.शाला, जोन-19 वार्ड-84 आंगनवाडी केन्द्र 610, जोन-20 वार्ड-6 हलालपुर काली मंदिर के पास, जोन-21 वार्ड-26 सरदार पटेल हाई स्कूल सूरज नगर, भावना परिसर बरखेडीकलां इत्यादि स्थानों पर लार्वा सर्वे, प्रचार-प्रसार, एवं जागरूकता गतिविधियां की गई।

दो गायों से शुरू हुआ सफर, आज हर माह दो लाख तक की आय, झाबुआ की अर्चना बनीं आत्मनिर्भरता की मिसाल

सरकारी योजना बनी संबल, आचार्य विद्यासागर गौ-संवर्धन योजना से मिली नई उड़ान

इन्दौर (ए.)। कहते हैं मेहनत, दूरदृष्टि और सही समय पर मिला सहयोग किसी भी जीवन की दिशा बदल सकता है। इंदौर संभाग के झाबुआ जिले के पेटलावद विकासखंड के ग्राम बावड़ी की श्रीमती अर्चना धर्मेन्द्र पाटीदार ने इस कहावत को सच साबित कर दिखाया है। कभी केवल दो दुधारू गायों के सहारे परिवार का भरण-पोषण करने वाली अर्चना आज आधुनिक डेयरी प्रबंधन, वैज्ञानिक पशुपालन और एकीकृत कृषि प्रणाली के माध्यम से प्रतिमाह डेढ़ से दो लाख रुपये तक की आय अर्जित कर रही हैं। आचार्य विद्यासागर गौ-संवर्धन योजना से मिली आर्थिक सहायता ने उनके छोटे डेयरी व्यवसाय को आधुनिक उद्यम में बदल दिया। आज वे न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं, बल्कि क्षेत्र के अन्य किसानों और महिला पशुपालकों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन चुकी हैं। साथ ही अब आगे योजना पर काम करते हुए उन्होंने गौ - अभ्यारण्य बनाने की योजना पर काम शुरू किया है। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाडे और झाबुआ कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा विगत दिनों श्रीमती अर्चना पाटीदार की डेयरी फार्म का अवलोकन किया गया।

छोटे डेयरी व्यवसाय से आधुनिक डेयरी फार्म तक

12 सदस्यीय संयुक्त परिवार की जिम्मेदारियों के बीच वर्ष 2012 में अर्चना ने हरियाणा से दो संकर एचएफ दुधारू गाय खरीदकर डेयरी व्यवसाय की शुरुआत की। प्रतिदिन लगभग 20 लीटर दूध का उत्पादन होता था, जिसे साँची दुग्ध समिति में विक्रय किया जाता था।

सीमित आय के बावजूद उन्होंने अपने लक्ष्य से समझौता नहीं किया। सबसे आश्चर्य की बात यह भी है कि उन्होंने गौवंश के लिए अलग- अलग बाड़े, गोबर गैस प्लांट, शेड, शेडनेट हाउस आदि मात्र आधे एकड़ में बनाया है।

योजना से मिला संबल, बढ़ा आत्मविश्वास

वर्ष 2022-23 में आचार्य विद्यासागर गौ-संवर्धन योजना के अंतर्गत उन्हें 3.80 लाख रुपये की इकाई पर 95 हजार रुपये का शासकीय अनुदान मिला। इस सहायता से उन्होंने पाँच उन्नत संकर एचएफ गायें खरीदीं और अपने डेयरी व्यवसाय का विस्तार किया। यही वह मोड़ था, जिसने उनकी सफलता की नई शुरुआत की।

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय किला भवन में प्रवेश मेला का शुभारंभ

छात्राओं को प्रवेश संबंधी जानकारी प्रदान की गई

इन्दौर (ए.)। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय किला भवन में प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के निर्देशन तथा प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी.पी. बैरागी के मार्गदर्शन में प्रवेश समिति द्वारा नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश मेला का शुभारंभ किया गया। यह प्रवेश मेला गत दिवस से आगामी 15 जुलाई 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। प्रवेश मेले के उद्घाटन अवसर पर महाविद्यालय प्रशासन द्वारा छात्राओं एवं अभिभावकों का स्वागत करते हुए विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों, प्रवेश प्रक्रिया, विषय चयन, छात्रवृत्ति योजनाओं तथा महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

जबलपुर रेल्वे अंडरब्रिज में कार में लगी भीषण आग, आरपीएफ, सहित एजेंसियां पहुंची.

जबलपुर,(ए.)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में मदन महल रेलवे स्टेशन के पास स्थित अंडरब्रिज में गुरुवार को एक इलेक्ट्रिक कार में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया और तेज लपटों के साथ कई धमाकों की आवाजें सुनाई देने लगीं। घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और अंडरब्रिज से गुजर रहे वाहन चालकों ने अपने वाहन सुरक्षित दूरी पर रोक दिए।

कार में सवार सभी लोगों ने समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।

हालांकि, आग इतनी विकराल थी कि कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई।

सूचना मिलते ही नगर निगम की दमकल टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद पानी के टैंकर की मदद से आग पर काबू पाया। घटना के चलते कुछ समय तक अंडरब्रिज में यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

आशंका जताई जा रही है कि घटना तकनीकी खराबी या शॉर्ट सर्किट के कारण हुई हो सकती है, हालांकि वास्तविक वजह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी। इस घटना के बाद एक बार फिर इलेक्ट्रिक वाहनों की सुरक्षा को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने मुलताई में कृषक संध्या कार्यक्रम का किया आयोजन

किसानों और ग्रामीण महिलाओं को बैंकिंग प्रणाली से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने का आह्वान

बैतूल,(ए.)। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा किसानों और स्वयं सहायता समूहों एसएचजी के आर्थिक स्वावलंबन और मार्गदर्शन के लिए एक विशेष कृषक संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, होशंगाबाद के क्षेत्रीय प्रमुख श्री मुकेश चौधरी के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, भोपाल के आंचलिक प्रमुख श्री धीरज गोयल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आंचलिक प्रमुख धीरज गोयल और क्षेत्रीय प्रमुख मुकेश चौधरी ने बैंक की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए किसानों और ग्रामीण महिलाओं को बैंकिंग प्रणाली से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने की अपील की। कार्यक्रम में बतौर अतिथि वक्ता डीडीएम नाबार्ड तथा डीडीए पशुपालन उपस्थित रहे। उन्होंने किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों, नाबार्ड की अनुदान योजनाओं और पशुपालन के माध्यम से आय दोगुनी करने के व्यावहारिक गुर सिखाए। अग्रणी जिला प्रबंधक बैतूल आशुतोष कुमार सिंह ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने जिले के वित्तीय विकास , ऋण वितरण और सरकारी योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन में बैंक व प्रशासन की साझा भूमिका पर प्रकाश डाला। इस कृषक संध्या में अंचल के बड़ी संख्या में प्रगतिशील किसानों और स्वयं सहायता समूहों की महिला सदस्यों ने हिस्सा लिया। उपस्थित ग्रामीणों ने बैंक और कृषि विशेषज्ञों के साथ सीधा संवाद कर अपनी शंकाओं का समाधान किया।

सतना एसएनसीयू में तीन माह का डेथ रेशियो 11.33 प्रतिशत, तय मानक से अधिक; 87 नवजातों की मौत

सतना,(ए.)। मध्य प्रदेश के सतना जिला अस्पताल की नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (एसएनसीयू) में भर्ती नवजातों की मृत्यु दर निर्धारित राज्य मानक से अधिक दर्ज की गई है। वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल से जून) में एसएनसीयू में भर्ती 773 गंभीर नवजातों में से 87 की मौत हो गई। इस अवधि में डेथ रेशियो 11.33 प्रतिशत रहा, जबकि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं संचालनालय ने इसे 10 प्रतिशत से कम रखने के निर्देश दिए हैं। आंकड़ों के अनुसार एसएनसीयू में 20 बिस्तरों की व्यवस्था है। इनमें 10 बेड इनबॉर्न यूनिट के लिए हैं, जहां जिला अस्पताल में जन्म लेने वाले गंभीर नवजातों को भर्ती किया जाता है, जबकि 10 बेड आउटबॉर्न यूनिट के लिए हैं, जहां अन्य स्वास्थ्य संस्थानों से रेफर होकर आने वाले नवजातों का उपचार किया जाता है। विभागीय जानकारी के मुताबिक भर्ती होने वाले 60 प्रतिशत से अधिक मामले रेफरल श्रेणी के हैं।

बैतूल में कांग्रेस का तहसील घेराव, प्रदर्शनकारियों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल

-किसानों की समस्याओं, बढ़ते नशे के कारोबार और कथित भ्रष्टाचार समेत 9 सूत्रीय मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

बैतूल, (ए.)। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के चिचोली में गुरुवार को कांग्रेस ने किसानों की समस्याओं, क्षेत्र में बढ़ते नशे के कारोबार, नगर परिषद में कथित भ्रष्टाचार और अन्य जनहित के मुद्दों को लेकर तहसील कार्यालय का घेराव किया।प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने बैरिकेड लगाकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोकने का प्रयास किया। जब कुछ प्रदर्शनकारी बैरिकेड पार करने लगे तो स्थिति नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। बाद में कांग्रेस नेताओं ने राज्यपाल के नाम संबोधित 9 सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम को सौंपा।

प्रदर्शन की शुरुआत बाजार चौक पर आयोजित सभा से हुई, जहां कांग्रेस नेताओं ने किसानों को खाद-बीज वितरण में आ रही दिक्कतों, बिजली कटौती, नगर परिषद में कथित भ्रष्टाचार, अवैध नशे के कारोबार, वनभूमि के पट्टों और अन्य मुद्दों को लेकर सरकार पर निशाना साधा। इसके बाद बस स्टैंड पर नुक्कड़ सभा आयोजित की गई और बाजार चौक से जय स्तंभ चौक होते हुए तहसील कार्यालय तक रैली निकाली गई।

बैरिकेड पर रुकी रैली, हुई नारेबाजी

तहसील कार्यालय पहुंचने पर पुलिस ने बैरिकेड लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोक दिया। इस दौरान कुछ कार्यकर्ताओं ने आगे बढ़ने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने वाटर कैनन का उपयोग किया। मौके पर कुछ देर तक पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की और जमकर नारेबाजी होती रही। हालांकि बाद में स्थिति सामान्य हो गई।

इन मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

कांग्रेस ने एसडीएम के माध्यम से राज्यपाल के नाम 9 सूत्रीय ज्ञापन सौंपते हुए किसानों को ई-टोकन प्रणाली से खाद-बीज वितरण में हो रही परेशानियों का समाधान, एमडी ड्रग्स और अवैध शराब के कारोबार पर सख्त कार्रवाई, नगर परिषद चिचोली में कथित भ्रष्टाचार की निष्पक्ष जांच, वनग्रामों के पात्र हितग्राहियों को पट्टे देने, बिजली कटौती रोकने और बढ़े हुए बिजली बिलों में राहत देने सहित विभिन्न मांगें उठाईं। इसके अलावा पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण की नीति पर पुनर्विचार और कुछ चर्चित मामलों की निष्पक्ष जांच की भी मांग की गई।

व्यापार समाचार

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने पीएसीटीएस लॉन्च किया, साइबर और क्रिटिकल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ेगा

नई दिल्ली (ए) । भारत और ऑस्ट्रेलिया ने मिलकर गुरुवार को पार्टनरशिप ऑन साइबर, क्रिटिकल टेक्नोलॉजी एंड सप्लाई चेन (पीएसीटीएस) को लॉन्च किया। इसका उद्देश्य साइबर और क्रिटिकल टेक्नोलॉजी क्षेत्र में दोनों देशों के बीच आपसी सहयोग को बढ़ाना है।

विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा, पीएसीटीएस का मकसद राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सुरक्षा में हमारे साझा हितों का समर्थन करना, हमारे सहयोगियों को अधिक डिजिटल विकल्प देकर सशक्त बनाना, अहम सप्लाई चेन को अधिक मजबूत बनाना और ग्लोबल साइबर क्षमता को मजबूत करना है।

पीएसीटीएस पांच आपस में जुड़े हुए स्तंभों पर एक साझा रणनीतिक विजन के साथ आगे बढ़ेगा, इनमें सप्लाई चेन की मजबूती और विविधता, क्रिटिकल टेक्नोलॉजी, साइबर सुरक्षा, डिजिटल मजबूती और डिफेंस रिसर्च में सहयोग शामिल है।

मंत्रालय ने कहा कि इनमें से हर स्तंभ के तहत, भारत और ऑस्ट्रेलिया प्राइवेट सेक्टर, यूनिवर्सिटीज, रिसर्च संस्थानों और सरकारी एजेंसियों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए मौकों और खास प्रोजेक्ट्स की पहचान करेंगे।

बयान में कहा गया, ऑस्ट्रेलिया और भारत मिलकर दोनों देशों के बढ़ते तकनीकी उद्योगों को सहारा देने के लिए सुरक्षित, मजबूत और भरोसेमंद सप्लाई चेन बनाने की दिशा में काम करेंगे। इसमें सुरक्षा से जुड़े नियमों को बढ़ावा देना, साथ ही नियमों पर आधारित द्विपक्षीय टेक्नोलॉजी व्यापार और सप्लाई चेन को मजबूत करना शामिल है।

इसमें सेमीकंडक्टर और जरूरी खनिजों की सप्लाई चेन ङ्क जिसमें रीसाइक्लिंग और रिकवरी भी शामिल है ङ्क पर मिलकर काम किया जाएगा। साथ ही, ऑस्ट्रेलियाई और भारतीय व्यवसायों के बीच कमर्शियल सहयोग और व्यापार में विविधता लाने को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

पीएसीटीएस लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित, आम सहमति वाले और कई पक्षों को शामिल करने वाले फ्रेमवर्क विकसित करके भरोसेमंद और सुरक्षित एआई के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों और बेंचमार्क को आगे बढ़ाने की वैश्विक कोशिशों का लाभ उठाएगा।

बयान में कहा गया कि ऑस्ट्रेलिया और भारत, मल्टी-डोमेन रक्षा चुनौतियों और क्षमताओं की साझा समझ को आगे बढ़ाने के लिए रक्षा अनुसंधान साझेदारियों का लाभ उठाने की दिशा में मिलकर काम करेंगे।

नई किया साइरोस ईवी जल्द होगी लॉन्च

नई दिल्ली (ए.)। कार निर्माता कंपनी किया इंडिया अपने इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो का विस्तार करने की तैयारी में है। अगले महीने किआ इंडिया कंपनी अपनी नई किया साइरोस ईवी को लॉन्च कर सकती है। बाजार में इसका सीधा मुकाबला टाटा नेक्सन ईवी, महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्सओ ईवी और टाटा पंच ईवी के उच्च वेरिएंट्स से होने की उम्मीद है।

लॉन्च से पहले, किया साइरोस ईवी को एक बार फिर भारतीय सड़कों पर परीक्षण के दौरान देखा गया है। सामने आई तस्वीरों से पता चलता है कि इसका डिज़ाइन मौजूदा पेट्रोल और डीजल मॉडल से काफी मिलता-जुलता रहेगा, लेकिन इसमें इलेक्ट्रिक मॉडल के लिए कुछ खास बदलाव किए जाएंगे। इन बदलावों में चार्जिंग पोर्ट को आगे बाईं तरफ व्हील आर्च के ऊपर स्थापित करना, नए बंपर का डिज़ाइन और बेहतर एयरोडायनामिक्स वाले नए अलॉय व्हील्स शामिल हैं। वाहन में वर्टिकल एलईडी हेडलैंप, एल-आकार की डे-टाइम रनिंग लाइट और वर्टिकल एलईडी टेललैंप पहले की तरह बरकरार रहने की संभावना है। केबिन में, किया साइरोस ईवी में दो 12.3 इंच की स्क्रीन, एक पैनोरमिक सनरूफ, आगे और पीछे वेंटिलेटेड सीटें, वायरलेस फोन चार्जिंग और कनेक्टेड कार तकनीक जैसे आधुनिक फीचर्स मिलने की उम्मीद है।

बिना एक रुपया खर्च किए जेब में पड़ी है 5 लाख की इंश्योरेंस पॉलिसी, ज्यादातर लोगों को नहीं पता ये नियम

नई दिल्ली (ए.) । मौजूदा समय में हर कोई अपने और परिवार के सुरक्षित भविष्य के लिए इंश्योरेंस पॉलिसी को बेहद जरूरी मानता है और इसके लिए हर साल मोटी रकम भी खर्च करता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी जेब में एक ऐसी मुफ्त इंश्योरेंस पॉलिसी पड़ी है, जिसके लिए आपको एक चवन्नी भी खर्च नहीं करनी पड़ती? जी हां, आपके बैंक का एटीएम (ATM) या डेबिट कार्ड सिर्फ पैसे निकालने या ऑनलाइन शॉपिंग के ही काम नहीं आता, बल्कि यह खुद में एक चलता-फिरता 5 लाख रुपये तक का मुफ्त एक्सीडेंटल इंश्योरेंस भी है। जानकारी के अभाव में देश के ज्यादातर लोग कभी इस सुविधा का लाभ या क्लेम नहीं ले पाते हैं।

हर बैंक के एटीएम कार्ड पर मिलती है मुफ्त बीमा की सुविधा

भारत में चाहे कोई सरकारी बैंक हो या फिर कोई प्राइवेट बैंक, अपने ग्राहकों को एटीएम कार्ड जारी करते समय वे इसके साथ मुफ्त एक्सीडेंटल पॉलिसी की सुविधा भी देते हैं। नियम के मुताबिक, यदि किसी एटीएम

कार्ड धारक के साथ कोई दुर्घटना या अनहोनी हो जाती है, तो इस इंश्योरेंस पॉलिसी का पैसा सीधे उसके परिवार या नॉमिनी को मिलता है। चूंकि बैंक इस पॉलिसी के बारे में ग्राहकों को अलग से ज्यादा जानकारी नहीं देते हैं, इसलिए मुश्किल वक्त में परिवार इस आर्थिक मदद और अधिकार से पूरी तरह वंचित रह जाता है।

कार्ड की कैटेगरी के हिसाब से तय होती है बीमे की रकम

बैंकों द्वारा एटीएम और डेबिट कार्ड की अलग-अलग कैटेगरी के अनुसार ही मुफ्त इंश्योरेंस की राशि तय की जाती है। साधारण या क्लासिक और रुपे (RuPay) कार्ड धारकों को 1 लाख रुपये तक का एक्सीडेंटल बीमा मिलता है। वहीं, प्लेटिनम कार्ड धारकों के लिए यह राशि 2 लाख रुपये होती है, जबकि प्रीमियम या वीज़ा (VISA) कार्ड इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों को पूरे 5 लाख रुपये तक का मुफ्त एक्सीडेंटल इंश्योरेंस कवर दिया जाता है।

क्लेम पाने के लिए कार्ड का 'एक्टिव' होना है सबसे जरूरी शर्त

इस मुफ्त इंश्योरेंस पॉलिसी का लाभ उठाने के लिए बैंक की एक बेहद छोटी लेकिन सबसे महत्वपूर्ण शर्त होती है, जिसे 'एक्टिविटी पीरियड' कहा जाता है। नियम के तहत बीमा क्लेम करने के लिए आपका एटीएम कार्ड पूरी तरह एक्टिव होना चाहिए।

कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर सीमित, भारत की आर्थिक नींव मजबूत : आईएमएफ

वॉशिंगटन (आरएनएस) । इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) ने कहा कि मध्य पूर्व में चल रहे टकराव की वजह से दुनिया भर में तेल की कीमतें बढ़ने के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। हालांकि, वैश्विक आर्थिक संस्था ने भारत की 2026 की ग्रोथ का अनुमान थोड़ा घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है, लेकिन साथ ही यह भी कहा है कि अगले साल ऊर्जा से जुड़ी दिक्कतों के कम होने पर देश की ग्रोथ और तेज होगी।

आईएमएफ ने अपने ताजा 'वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक' रिपोर्ट में 2026 के लिए भारत की ग्रोथ का अनुमान अप्रैल के अनुमान से 0.1 प्रतिशत अंक घटा दिया, लेकिन 2027 के लिए अनुमान 0.2 प्रतिशत अंक बढ़ा दिया।

आईएमएफ का कहना है कि उम्मीद से बेहतर आर्थिक गतिविधि और मजबूत घरेलू मांग देश के आउटलुक को सहारा दे रही है। आईएमएफ अधिकारियों ने अपनी ताजा 'वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक' रिपोर्ट पेश करते हुए कहा कि भारत ने कई दूसरी अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले ग्लोबल अनिश्चितता का बेहतर ढंग से सामना किया है, हालांकि मिडिल ईस्ट में चल रहे टकराव की वजह से ऊर्जा की बढ़ती कीमतें इस साल विकास दर पर असर डालेंगी।

आईएमएफ रिसर्च विभाग की प्रमुख डेनिज इगन ने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान पत्रकारों को बताया, भारत के लिए, हमने इस साल के अनुमान को बहुत मामूली रूप से 0.1 प्रतिशत अंक घटाकर 6.4 कर दिया है। और अगले साल, यानी 2027 के लिए विकास दर के अनुमान को 0.2 प्रतिशत अंक बढ़ा दिया है।

वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत, वित्त वर्ष 27 में 6.6% जीडीपी वृद्धि का अनुमान

नई दिल्ली (ए.) । वित्त वर्ष 27 में भारत की अर्थव्यवस्था 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद, नीतिगत उपायों और सेवाओं के मजबूत निर्यात के दम पर भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल रहेगा। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) की रिपोर्ट में बताया गया कि वित्त वर्ष 2027 के लिए उसका संशोधित वृद्धि दर अनुमान, इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) के 6.4 प्रतिशत के हालिया अनुमान से अधिक है।एडीबी ने कहा, "विकास दर को अधिक विदेशी पूंजी आकर्षित करने के लिए पॉलिसी में बदलाव, ईंधन कर में कटौती, खास तौर पर टारगेटेड क्रेडिट सपोर्ट, मजबूत सर्विस निर्यात और पब्लिक कैपिटल खर्च से बढ़ावा मिलेगा।" एडीबी ने भारत के लिए वित्त वर्ष 28 की ग्रोथ का अनुमान भी 7.3 प्रतिशत पर बरकरार रखा, जो अप्रैल के अनुमान जैसा ही है।एडीबी ने कहा कि मध्यम अवधि का आउटलुक बेहतर होते ग्लोबल हालात और अलग-अलग पार्टनर देशों के साथ व्यापार समझौतों से मिली एक्सपोर्ट कॉम्पिटिटिवनेस से समर्थित है। रिपोर्ट के मुताबिक, एनर्जी की बढ़ी हुई कीमतों की वजह से वित्त वर्ष 27 की ग्रोथ के अनुमान में कमी की गई, क्योंकि इनसे लोगों की असली आय कम होती है और उपभोक्ता खर्च पर असर पड़ता है।बैंक चेतावनी दी कि भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने और मौसम की वजह से खेती में कमजोरी के कारण आउटलुक पर जोखिम अभी भी नीचे की ओर झुका हुआ है। एडीबी ने वित्त वर्ष 27 के लिए भारत की महंगाई दर का अनुमान भी बदलकर 5.2 प्रतिशत कर दिया, जबकि वित्त वर्ष 28 के लिए महंगाई दर का अनुमान 4 प्रतिशत पर ही बनाए रखा।एडीबी ने दक्षिण एशिया के लिए 2026 में विकास दर का अनुमान पहले के 6.3 प्रतिशत से घटाकर 6.0 प्रतिशत कर दिया है। इसके पीछे तेल की ऊंची कीमतें, माल ढुलाई की बढ़ती लागत और रेमिटेंस (विदेश से भेजी जाने वाली रकम) के प्रवाह को लेकर अनिश्चितता जैसे कारण बताए गए हैं।

ना धुआं, ना डीजल इस दिन चलेगी भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन

जींद (ए.)। भारतीय रेलवे इतिहास रचने की दहलीज पर खड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को हरियाणा के जींद रेलवे स्टेशन से देश की पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना कर सकते हैं। रेलवे के लिए यह केवल एक नई ट्रेन की शुरुआत नहीं, बल्कि हरित और स्वच्छ परिवहन की दिशा में उठाया गया अब तक का सबसे बड़ा और क्रांतिकारी कदम माना जा रहा है। पिछले करीब ढाई महीनों से सोनीपत, जींद और नई दिल्ली के बीच विभिन्न परिस्थितियों में इस खास ट्रेन का सफल ट्रायल किया गया है। यह ट्रेन पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल है, क्योंकि इसके संचालन में प्रदूषण या कार्बन उत्सर्जन बिल्कुल नहीं होता और केवल पानी की भाप निकलती है।

जींद और सोनीपत के बीच रोजाना तय करेगी 356 किलोमीटर का सफर

शुरुआती चरण में भारत की इस पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरियाणा के जींद और सोनीपत रूट पर ही चलाया जाएगा। यह ट्रेन रोजाना दो राउंड ट्रिप पूरी करेगी और कुल करीब 356 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। यात्री सुविधाओं और क्षमता की बात करें तो इस ट्रेन में कुल 10 कोच लगाए गए हैं, जिनमें दो ड्राइविंग पावर कार और आठ पैसेंजर कोच शामिल हैं।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

फर्क को पाट पाएंगे

ईरान और यूएई के प्रतिनिधियों में हुई झड़प मिसाल है कि बदली विश्व परिस्थितियों के बीच ब्रिक्स+ के सदस्य ना सिर्फ अलग धरातल पर खड़े हैं, बल्कि वे परस्पर विरोधी रुख भी खुलेआम अपना रहे हैं।

ब्रिक्स+ देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की नई दिल्ली में हुई बैठक एक बार फिर इस समूह के अंदर गहरा रहे मतभेदों को उजागर कर गई। बैठक के दौरान ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के प्रतिनिधियों की बीच हुई झड़प मिसाल है कि बदली विश्व परिस्थितियों के बीच ब्रिक्स+ के सदस्य देश ना सिर्फ अलग धरातल पर खड़े हैं, बल्कि अब वे परस्पर विरोधी रुख भी खुलेआम अपना रहे हैं। ईरान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार घादिर निजामीपुर ने अपने देश पर अमेरिका और इजराइल के हुए हमले में सक्रिय भूमिका निभाने का आरोप यूएई पर लगाया। जबकि यूएई ने ईरान पर उसे अनुचित निशाना बनाने का इल्जाम मढ़ा। इससे ब्रिक्स+ में सर्व-सहमत दृष्टिकोण उभरने की संभावना और कम हो जाने के संकेत मिले हैं।

मेजबान भारत की सहानुभूति यूएई के साथ अधिक है, जिसके इजराइल और अमेरिका से बेहतर रिश्ते हैं। दूसरी तरफ चीन और ईरान के प्रतिनिधियों की द्विपक्षीय बैठक से साफ हुआ कि वे दोनों देश बदल रहे वैश्विक समीकरणों के बीच समान धरातल पर खड़े हैं। ऐसे में ब्रिक्स+ की बैठक का असल महत्त्व इस मौके पर हुई द्विपक्षीय वार्ताएं ही रहीं। इनमें एक खास मौका राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल और चीन के विदेश मंत्री (जो वहां के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार भी हैं) वांग यी की मुलाकात रहा। डोवाल और वांग सीमा विवाद पर अपने- अपने देशों के विशेष प्रतिनिधि भी हैं।

दोनों ने भारत- चीन संबंध के ताजा हाल की समीक्षा की। इसी तरह की द्विपक्षीय वार्ताएं अन्य देशों के प्रतिनिधियों के बीच भी हुईं। इस रूप में नई दिल्ली में उनका जुटना सार्थक रहा। बहरहाल, जहां तक ब्रिक्स+ का प्रश्न है, तो उसके महत्त्व और भूमिका को लेकर भले जो कहा जाता हो, लेकिन असल में यह समूह दिशाहीनता का शिकार होता नजर आ रहा है। इसी बात के संकेत पिछले महीने ब्रिक्स+ विदेश मंत्रियों की बैठक में भी मिले थे। सितंबर के मध्य में जब ब्रिक्स+ शिखर सम्मेलन होगा, तो उसमें कोई अलग नजारा होगा या इन देशों के सर्वोच्च नेता नजरिए में फर्क को पाट पाएंगे, इसकी संभावना भी कम ही है।

पेट्रोल में एथनाल : आखिर ये माजरा क्या है?

निर्मल रानी/

भारत में इन दिनों पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनाल का मिश्रण किये जाने यानी ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल से होने वाले नुक़्सान को लेकर बहस छिड़ गयी है। इसके प्रयोग से देश भर से वाहनों के इंजन ख़राब होने की ख़बरें मीडिया में आने लगी हैं। ई20 उपभोक्ता अब न केवल इसकी शिकायतें करने लगे हैं बल्कि जगह जगह इसे लेकर धरना प्रदर्शन भी होने लगे हैं। गत दिनों तो दिल्ली के जंतर मंतर पर भी ई20 मिश्रित पेट्रोल के विरोध में प्रदर्शन किया गया।और इससे वाहनों को होने वाले नुक़्सान को लेकर सरकार को अवगत कराया गया।

भारत में हो रहे इसके विरोध व इसके इस्तेमाल से आ रही परेशानियों व वाहनों को हो रहे कथित नुक़्सान की ख़बरों के बीच पड़ोसी देश भूटान ने भी भारतीय तेल कंपनियों से एथनाल मिश्रित ई 20 पेट्रोल वहां न भेजने व केवल पूर्व में भेजा जा रहा केवल शुद्ध XP100 जैसे पेट्रोल की आपूर्ति करने को कहा है। भूटान द्वारा इसका कारण यह बताया गया है कि पेट्रोल पंपों पर भण्डारण के पुराने भूमिगत फ़्यूल टैंक में ई 20 पेट्रोल के भण्डारण की वजह से पानी के रिसाव का जोखिम है जिससे एथनाल मिश्रित ईंधन ख़राब हो सकता है। क्योंकि इथेनॉल की प्रवृति नमी को आकर्षित करने वाली होती है और वातावरण से नमी लेने पर ईंधन की गुणवत्ता घट सकती है और इंजन में अनेक प्रकार की समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा पहाड़ी इलाक़े में स्टोरेज और सप्लाई श्रृंखला को आधुनिक करना भी आवश्यक होगा, जिसमें तत्काल परिवर्तन करना जोखिमपूर्ण माना गया। भूटान द्वारा अपनी आपत्ति में पहाड़ी रास्तों में वाहन के परफ़ार्मेंस पर भी फ़र्क़ पड़ने का संदेह व्यक्त किया गया है।

भारत में भी देश भर से गाड़ियों के ख़राब होने,गाड़ियों की पेट्रोल टंकी के गलने व ज़ंग लगने,माइलेज कम होने व इंजन के ख़राब होने तक की शिकायतें आने लगी हैं। और उधर इसी ई 20 पेट्रोल की आपूर्ति व खपत की आड़ में शुद्ध पेट्रोल यानी एक्सपी100 का मूल्य 167 रूपये प्रति लीटर तक हो गया है। एथनाल के उपयोग से केवल गाड़ियां ही ख़राब नहीं हो रही हैं बल्कि इसके उत्पादन में भी पानी का भी बेतहशा दुरूपयोग किया जा रहा है जिससे भविष्य में यह जलसंकट का कारण भी बन सकता है। ग़ौरतलब है कि एथनॉल का उत्पादन चावल ,मक्का और गन्ना आदि की फ़सलों से होता है। और इन सभी फ़सलों की पैदावार में बेतहाशा पानी का इस्तेमाल होता है। इसके बाद जब इसी फ़सल से एथनॉल बनाया जाता है तो इसमें और भी ज़्यादा पानी ख़र्च होता है। मिसाल के तौर पर चावल से 1 लीटर एथनॉल बनाने में लगभग 10790 लीटर पानी ख़र्च होता है जबकि मक्का से 1 लीटर एथनॉल बनाने में क़रीब 4670 लीटर पानी की खपत होती है इसी तरह गन्ने से मात्र 1 लीटर एथनाल बनाने में तक़रीबन 3630 लीटर पानी लगता है। गोया पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण की नीति देश के जल बचाने के अभियान के ठीक विरुद्ध जलसंकट खड़ा करने में भी सहायक हो सकती है। ज़रा सोचिये कि जब ई20 पेट्रोल की आपूर्ति में जल का इतना इस्तेमाल होता है तो यदि भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की इच्छानुसार पेट्रोल में 85 प्रतिशत मिश्रण कर ई85 की आपूर्ति की योजना पर अमल किया गया तो भारत जैसे उस देश में पानी के अकाल को कैसे टाला जा सकेगा जहां के कई इलाक़ों में पहले ही पीने का पानी लोगों को मयस्सर नहीं है? हालांकि अब ख़बर यह भी आ रही है कि भारी विरोध के बीच केंद्र सरकार अब ई25 पेट्रोल को लागू करने की योजना को फिलहाल टाल सकती है। सरकारी सूत्रों के अनुसार सरकार अब इस ई25 बदलाव को जल्दबाज़ी में लागू करने के बजाय चरणबद्ध तरीक़े से आगे बढ़ाने पर विचार कर रही है।

देश में पेट्रोल में एथनाल के मिश्रण को लेकर कुछ ज़िम्मेदार लोगों के विरोधाभासी बयान भी सुनाई दे रहे हैं। इसकी वजह से आम लोगों में एथनाल के मिश्रण के प्रति अविश्वास व भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। मिसाल के तौर पर टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के कंट्री हेड और एग्ज़ीक्युटिव वाईस प्रेसिडेंट विक्रम गुलाटी ने अपने एक इंटरव्यू में पहले तो यह स्वीकार किया था कि ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल से बेशक फ़्यूल एफ़िशिएंसी में कुछ कमी आती है। परन्तु बाद में उन्होंने ही प्रेस कॉन्फ़्रेंस में इसे परफ़ॉर्मेंस के मामले में बेहतरीन ईंधन भी बता डाला। इसी तरह भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के बायोफ़्यूलस के एक्ज़ीक्यूटिव डायरेक्टर अनुराग सरावगी ने भी स्वीकार किया था कि एथनॉल मिश्रित पेट्रोल का इस्तेमाल करने से गाड़ियों की माइलेज में 30 प्रतिशत तक कमी आ सकती है। इतना ही नहीं बल्कि भारत के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने गत 30 जून को सर्वोच्च न्यायलय में एक सुनवाई के दौरान अदालत को यह भी बताया कि ई-20 पेट्रोल का इस्तेमाल फ़िलहाल एक प्रयोग के तौर पर किया जा रहा है। इस बात के सार्वजनिक होने के बाद तो लोगों में और भी आक्रोश फैल गया कि आख़िर प्रयोग के तौर पर उन्हें गिनी पिग अर्थात प्रयोग किये जाने वाला जीव क्यों बनाया जा रहा है। उसके बाद सरकार की तरफ़ से यह स्पष्टीकरण जारी किया गया कि अटॉर्नी जनरल के हवाले से कही जा रही बातें ग़लत हैं।

कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने भी एक तरह से अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी की बातों का समर्थन करते हुए इस बात पर नाराज़गी जताई कि 3.6 करोड़ भारतीय कार मालिकों पर इसतरह के प्रयोग क्यों किए जा रहे हैं ? उन्होंने कहा कि अभी भारत में 10 में से 9 गाड़ियां ई20 के अनुकूल नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह नीति आम सहमति के बिना और इसके होने वाले परिणामों को समझे बग़ैर लागू कर दी गई है। खड़गे ने यह भी कहा, हमारी गाड़ियों में इसे ज़बरदस्ती डालने के बाद आप राष्ट्रीय स्तर पर ईंधन बदलने की इस प्रक्रिया को प्रयोग नहीं कह सकते। उन्होंने कहा कि जब सरकार का अपना डेटा ही अभी तक तैयार नहीं है, तो नागरिकों को नुक़्सान साबित करने की चुनौती नहीं दी जा सकती। आम लोग गिनी पिग नहीं हैं न ही हमारी सड़कें टेस्ट ट्रैक हैं और देश के उपभोक्ताओं की जेबें सरकार के ट्रायल का बजट नहीं हैं। खड़गे ने ई20 को वापस लेने मांग करते हुये कहा कि सरकार पहले इसे प्रयोग के योग्य,स्वीकार्य व प्रमाणित ईंधन साबित करे, फिर इसे प्रयोग करने की नीति लागू करें। निश्चित रूप से पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनाल मिश्रण देश के वाहन धारकों के लिये फ़िलहाल एक समस्या बन गया है और सरकार द्वारा इसके पक्ष में दिए जा रहे तर्कों व विशेषज्ञों व इस नीति के आलोचकों द्वारा उठाये जा रहे बिंदुओं के बीच देश समझ ही नहीं पा रहा है की आख़िर ये माजरा क्या है?

आधुनिक तकनीक से वन संरक्षण को नई दिशा

छत्तीसगढ़ का ऑटोमेटेड फॉरेस्ट फायर अलर्ट सिस्टम बना जंगलों का सतर्क प्रहरी

धनंजय राठौर, अशोक कुमार चंद्रवंशी

ऑटोमेटेड फॉरेस्ट फायर अलर्ट सिस्टम एक उन्नत तकनीक है जो जंगलों में आग लगने की घटनाओं का तुरंत पता लगाकर संबंधित अधिकारियों को सूचित करती है। भारत में, भारतीय वन सर्वेक्षण और विभिन्न राज्य वन विभाग फोरेस्ट फायर अलर्ट एंड मानिटरिंग सिस्टम सैटेलाइट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित तकनीकों का उपयोग कर रहे हैं। जंगल की आग को ध्यान में रखते हुए श्फोरेस्ट फायर अलर्ट सिस्टम संस्करण 2.0श् लाया गया है और पूरी प्रक्रिया को स्वचालित बना दिया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार वन संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग कर रही है। इसी दिशा में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा विकसित ऑटोमेटेड फॉरेस्ट फायर अलर्ट सिस्टम जंगलों में लगने वाली आग की घटनाओं पर त्वरित नियंत्रण सुनिश्चित कर रहा है।

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में विकसित यह तकनीक वन विभाग की कार्यप्रणाली को अधिक तेज, प्रभावी और पारदर्शी बना रही है। इससे वन संपदा, वन्यजीवों और जैव विविधता की सुरक्षा को नई मजबूती मिली है।

अब कुछ ही मिनटों में मिलती है आग लगने की सूचना

पहले वनाग्नि की जानकारी प्राप्त करने और संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने में एक से दो घंटे का समय लग जाता था। इस दौरान आग कई बार बड़े क्षेत्र में फैल जाती थी। अब नई स्वचालित प्रणाली के माध्यम से यह पूरी प्रक्रिया केवल 5 से 10 मिनट में पूरी हो जाती है। इससे समय रहते आग पर नियंत्रण संभव हो रहा है।

मूल्य श्रृंखला का जुड़ावः पीएम मित्र पार्क के ज़रिए कैसे भारत के टेक्सटाइल क्षेत्र की बदल रही है तस्वीर

पबित्रा मार्गेरिटा

सदियों से, भारत की पहचान उसके परिधानों से गहराई से जुड़ी रही है। चाहे वह कश्मीर के पश्मीना की लंबे समय तक रहने वाली गर्माहट हो, असम के मूंगा सिल्क की सुनहरी चमक हो, तमिलनाडु की शाही कांजीवरम साड़ियाँ हों, चंदेरी की बुनाई हो या सूरत के कारीगरों की कपड़ों पर मशहूर कारीगरी। आज भी यह क्षेत्र हमारी अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ बनकर खड़ा है, जो जीडीपी में 2.3 प्रतिशत, औद्योगिक उत्पादन में 13प्रतिशत और निर्यात में 12त्न का योगदान देता है। खेती के बाद भारत में सबसे ज़्यादा रोज़गार देने वाला यह क्षेत्र 45 मिलियन लोगों को सीधे तौर पर और 100 मिलियन से ज़्यादा लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोज़गार देता है। इससे ग्रामीण समुदायों को मजबूती मिलती है और देश भर में लाखों महिलाओं के लिए आर्थिक आज़ादी का रास्ता खुलता है।

वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के एक साथ जुड़ी हुई व्यवस्था के उलट, भारत की वस्त्र मूल्य श्रृंखला ऐतिहासिक रूप से अलग-अलग जगहों पर फैले हुए मॉडल के तौर पर विकसित हुई। कताई, बुनाई, प्रोसेसिंग, कपड़े सिलने और निर्यात जैसी गतिविधियाँ अलग-अलग राज्यों में स्वतंत्र रूप से विकसित हुईं, जिसका अर्थ था कि एक कपड़ा बनने के दौरान अक्सर कई राज्यों की सीमाओं से गुज़रता था। इस बिखराव के कारण कई संरचनात्मक बाधाएँ पैदा हुईं। इसने बड़े पैमाने पर काम करने, आधुनिकीकरण, ऑटोमेशन और आखिरकार मज़दूरों की उत्पादकता को सीमित कर दिया।

इसके साथ ही, मल्टी-मॉडल संपर्क में कमियों की वजह से लॉजिस्टिक्स का बोझ भी बढ़ जाता है। प्रोडक्शन के अलग-अलग चरणों के बीच हर बार सामान को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने या संभालने में अतिरिक्त खर्च और ढुलाई का किराया लगता है। कई चरणों में लंबी दूरी तक सामान को एक जगह से दूसरी जगह भेजने से कुल लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ जाती है और सामान को तेज़ी से बाज़ार तक पहुँचाने की क्षमता खत्म हो जाती है, जो आज की रिटेल व्यवस्था में बार-बार ऑर्डर देने वाले साइकल में एक बहुत बड़ी और नुकसानदायक कमी है।

वर्तमान में पर्यावरण से जुड़ी ज़रूरतों पर भी ध्यान देने की ज़रुरत है। दुनिया भर में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वस्त्र उद्योग की हिस्सेदारी 8प्रतिशत से 10प्रतिशत और औद्योगिक जल प्रदूषण में 20प्रतिशत है। हज़ारों छोटी-छोटी और अलग-अलग जगहों पर फैली इकाइयों में नियमों को लागू करना और सही तरीके से प्रबंधन करना पहले एक बड़ी प्रशासनिक चुनौती रहा है।

इन रुकावटों को व्यवस्थित रूप से दूर करने के लिए, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अक्टूबर 2021 में पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल (पीएम मित्र) योजना शुरू की, जिसके लिए 4,445 करोड़ का बजट रखा गया। यह एक अहम कदम था, जो एक ऐसा व्यापक मॉडल पेश करता है, जिसमें केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, उद्योगों से जुड़े लोगों और निजी साझेदारों के साथ मिलकर विकास को आगे बढ़ाती है।

इस योजना के केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दूरदर्शी 5एफ फ़ॉर्मूला है यानी फ़ार्म (खेत) से फ़ाइबर (रेशा) से फ़ैक्टरी (कारखाना) से फ़ैशन और फारेन (विदेश) तक पहुंच। यह सोच सीधे तौर पर उस बात को सामने लाती है, जो भारत को वैश्विक मंच पर अलग बनाती है: हमारी संपूर्ण और बेहद विविध मूल्य श्रंखला। कच्चे माल के आयात या सिर्फ तैयार कपड़ों की बनावट पर निर्भर रहने वाले दूसरे देशों के उलट, भारत वस्त्रों को बनाने की पूरी प्रक्रिया में शामिल है, जिसमें किसानों के खेतों से लेकर हाई-फ़ैशन रनवे तक की प्रक्रिया शामिल है। इस अनोखी समझ की वजह से, हमारी विकास रणनीति को वैश्विक प्रतिस्पर्धा और पूरी तरह से सामाजिक समानता के बीच एक खास संतुलन बनाने की ज़रुरत है। विस्तार करते समय, हमें हर क्षेत्र के कल्याण का ध्यान रखना होगा, ताकि साधारण किसान और ग्रामीण बुनकर से लेकर कपड़े के निर्यातक तक, कोई भी पीछे न छूटे। पीएम मित्र फ़्रेमवर्क इसी संतुलन को हासिल करता है।इन पार्कों को कच्चे माल के मुख्य केंद्रों के पास रणनीतिक रूप से बनाने से ट्रांसपोर्ट का खर्च कम होता है और निर्माण के लिए बिना रुकावट आपूर्ति सुनिश्चित होती है। इससे ज़रूरी बात यह है कि इस नज़दीकी से शुरुआत से आखिर तक ट्रैकिंग भी मुमकिन हो पाती है। चूँकि वैश्विक ब्रांड ऑर्गेनिक या सस्टेनेबल प्रमाणीकरण की मांग करते हैं, इसलिए ये एकीकृत पार्क एक सत्यापन योग्य कस्टडी चेन देते हैं। इससे कड़े वैश्विक ईएसजी नियमों का पालन होता है और विदेशों में प्रीमियम कीमत पाने का रास्ता भी बनता है। 1,000 एकड़ से ज़्यादा के एक ही इलाके में कताई, बुनाई, प्रोसेसिंग और कपड़ा बनाने की सुविधाओं को एक साथ लाने से अलग-अलग राज्यों के बीच सामान ले जाने की ज़रूरत खत्म हो जाती है।

मेष राशि- आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। किसी प्रतियोगी परीक्षा का रिजल्ट आपके पक्ष में आएगा। आज आर्ट और मीडिया से जुड़े लोगों को नौकरी के नये अवसर मिलने के योग हैं कारोबार आपको बढ़िया सफलता मिलेगी। आज एक नया प्रोजेक्ट आपको दिया जाएगा आप उसे बेहतरीन तरीके से पूरा करेंगे जो आगे चलकर आपके लिए लाभदायक साबित होगा। फलों का बिजनेस करने वाले लोगों की इनकम आज बढ़ेगी। आज

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए लकी रहेगा। आप अपने बिजनेस में नई शुरूआत करेंगे। आभूषणों के कारोबार मे आज आपको दोगुनी सफलता मिलेगी। आज समाज में आपका प्रभाव बढ़ेगा इस दौरान आप नये लोगों से मिलेंगे साथ ही कुछ नया सीखने को मिलेगा।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। कारोबार में बदलाव को लेकर लिए गए फैसले आज सही साबित होंगे। आज मार्केटिंग से जुड़े कामों पर ज्यादा ध्यान दें। आज किसी बड़े अधिकारी या राजनेता से मुलाकात भविष्य में फायदेमंद साबित हो सकती है।

कर्क राशि- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। आज आप अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए नये फैसले लेंगे। आज ऑफिस में आपकी योग्यता और कार्यक्षमता की सराहना होगी। बच्चों की शिक्षा या करियर से जुड़ा काम आज बन सकता है। आज आय और खर्च में संतुलन बना रहेगा ।

सिंह राशि- सिंह राशि वालों का आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आपको आपके करियर के क्षेत्र में अपार संभावनाएं मिलेंगी आपका सरकारी काम पूरा जाएगा। उच्च अधिकारियों के सहयोग से आज आपको नौकरी में लाभ होगा।

कन्या राशि- आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। व्यापार जगत से जुड़े कार्यों में आज आपको सफलता मिलेगी। परीक्षा में पूर्ण अध्ययन से छात्र कामयाबी पा सकेंगे। महिलाएं आज व्यर्थ की बातों में अपना समय नष्ट न करें।

तुला राशि- आज का दिन नए अनुभव लेकर रहेगा। आज परिवार में आज मांगलिक कार्यक्रम करवाएंगे घर का माहौल खुशहाल रहेगा। इंपोर्ट-एक्सपोर्ट के बिजनेस से जुड़े लोगों को किसी खास संपर्क से आज लाभ होगा। आज छात्रों को उनके फेवरिट कालेज में दाखिल मिल जाएगा।

वृश्चिक राशि- आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। अगर आज आप किसी बिजनेस में धन निवेश करेंगे तो आने वाले समय में लाभ अवश्य मिलेगा। आज आप व्यापार बढ़ाने के लिए आज कुछ नयी योजनाओं पर काम कर सकते है। आपका रुका हुआ पैसा आज वापस आ सकता है।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। अगर आप किसी खास काम के लिए प्रयासरत हैं, तो उसमें उचित सफलता मिल सकती है। आज आपका वैवाहिक जीवन खुशियों से भरा रहेगा आप एक दूसरे की भावनाओं को समझने का प्रयास करेंगे।

मकर राशि- आपके लिए आज का दिन मिला-जुला रहने। आज आपको परिवार का सहयोग मिलेगा। आज वैवाहिक जीवन में परेशानियां खत्म होंगी। कार्यस्थल पर अपने विरोधियों से सतर्क रहें आज आप अपने बड़ बोलेपन से बचें इस दौरान किसी तरह की लापरवाही भारी पड़ सकती है।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहेगा साथ ही छात्रों के लिए बेहतर परिणाम लेकर आएगा। आज आपको कार्यस्थल पर अपने सीनियर्स का सहयोग मिलेगा।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। सोची हुई योजनाएं सफल होती दिखेंगी। आप खुद को भावनात्मक रूप से मजबूत महसूस करेंगे। आज आप अपना नया बिजनेस स्टार्ट करने की योजना बनाएंगे। आज पार्टनरशिप में किए गए व्यवसाय में आर्थिक फायदा मिलेगा इस दौरान आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।

फ्लैश फ्लड से पहले फ्लैशबैक - एक गलती, पूरी कहानी खत्म

प्रो. आरके जैन अरिजीत

प्रकृति जब रौद्र रूप धारण करती है, तब मनुष्य की सारी शक्ति क्षणभर में प्रभावहीन हो जाती है। मानसून इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। यही वर्षा भारत के खेतों में जीवन भरती है, तो कभी भीषण बाढ़ और भूस्खलन बनकर गाँव, सड़कें, पुल और अनगिनत जिंदगियों को लील लेती है। उफनती नदियाँ, विकराल झरने और शांत पहाड़ियाँ पलभर में मौत का मंजर बन जाती हैं। ऐसे समय सबसे अधिक चिंता उन युवाओं की होती है, जो रोमांच के नाम पर जोखिम को ही साहस समझ बैठते हैं। याद रखिए, आप केवल अपने परिवार की उम्मीद नहीं, बल्कि राष्ट्र की अमूल्य शक्ति हैं। इसलिए मानसून के इन तीन-चार महीनों में उफनती नदियों, झरनों, खतरनाक पहाड़ी क्षेत्रों और जोखिमभरे ट्रेकिंग मार्गों से पूरी तरह दूर रहना ही सच्ची समझदारी है।मानसून की खूबसूरती जितनी मोहक दिखती है, उसका खतरा उतना ही गंभीर होता है। भारत के हिमालयी क्षेत्र, पश्चिमी घाट और उत्तर-पूर्व के पर्वतीय इलाकों में हर वर्ष भारी वर्षा, फ्लैश फ्लड और भूस्खलन तबाही मचाते हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अनुसार, इन आपदाओं में हर साल हजारों लोगों की जान चली जाती है। मौसम विभाग (आईएमडी) लगातार चेतावनियाँ जारी करता है, फिर भी कई युवा रोमांच के आकर्षण में उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। मनाली-लेह मार्ग, हरिशचंद्रगढ़, हरिहर किला, केदारनाथ सहित अनेक पर्वतीय क्षेत्र मानसून में बेहद जोखिमभरे हो जाते हैं। गीली चट्टानों पर एक छोटी-सी चूक या ऊपरी पहाड़ों में हुई बारिश से आया अचानक सैलाब संभलने का मौका तक नहीं देता। जो स्थान कुछ देर पहले सुरक्षित दिखता है, वही पलभर में मौत का रास्ता बन सकता है।

रोमांच का वास्तविक अर्थ जोखिम मोल लेना नहीं, बल्कि सही समय पर सही निर्णय लेना है। आज ट्रेकिंग युवाओं के बीच पर्यटन से बढ़कर एक फैशन बन गई है। सोशल मीडिया की आकर्षक तस्वीरें और वीडियो देखकर अनेक लोग यह भूल जाते हैं कि प्रकृति का सुंदर चेहरा पलभर में भयावह रूप भी धारण कर सकता है। फ्लैश फ्लड, फिसलन भरी चढ़ाइयाँ, उफनती नदियाँ और भूस्खलन वाले क्षेत्रों में अनावश्यक साहस दिखाना उपलब्धि नहीं, लापरवाही है। कई बार रेड अलर्ट और मौसम विभाग की चेतावनियों के बावजूद लोग जोखिम उठाते हैं। इसका परिणाम केवल एक हादसा नहीं होता, बल्कि पूरा परिवार जीवनभर के दु:ख और पीड़ा का बोझ उठाता है। इसलिए सच्ची बहादुरी प्रकृति को चुनौती देने में नहीं, उसकी चेतावनियों का सम्मान कर सुरक्षित रहने में है।

हर रोमांचक मंज़िल से पहले अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देना ही सबसे समझदारी भरा निर्णय है। युवाओं को समझना होगा कि जीवन किसी एक ट्रेक, यात्रा या वायरल वीडियो से कहीं अधिक मूल्यवान है। माता-पिता अपने बच्चों में अपने वर्षों के त्याग, संघर्ष और अनगिनत सपनों का भविष्य देखते हैं। एक क्षण की लापरवाही उन सभी उम्मीदों को हमेशा के लिए तोड़ सकती है। देश को भी ऐसे युवा चाहिए, जो सुरक्षित रहकर शिक्षा, कौशल और अपनी ऊर्जा से राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। जोश युवावस्था की पहचान है, लेकिन सही दिशा विवेक ही देता है। इसलिए सितंबर-अक्टूबर तक प्रतीक्षा करना, जब मौसम और रास्ते दोनों सुरक्षित हों, कहीं अधिक बुद्धिमानी है। प्रकृति हमेशा रहेगी, अवसर फिर मिलेंगे, लेकिन जीवन दोबारा नहीं मिलेगा। सुरक्षा अपनाना कमजोरी नहीं, बल्कि परिपक्वता और जिम्मेदारी की पहचान है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और भारतीय मौसम विभाग लगातार सलाह देते हैं कि भारी वर्षा के दौरान नदियों, झरनों, जलप्रपातों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहें। किसी भी यात्रा से पहले मौसम का ताज़ा पूर्वानुमान अवश्य देखें तथा पर्याप्त तैयारी, आवश्यक उपकरण और अनुभवी साथियों के बिना जोखिमभरे मार्गों पर न जाएँ। केवल उत्साह के भरोसे या अकेले ट्रेकिंग करना गंभीर भूल साबित हो सकता है। मानसून के इन महीनों का बेहतर उपयोग पढ़ाई, नई तकनीकी व व्यावसायिक दक्षताएँ सीखने, शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य सुधारने और परिवार के साथ समय बिताने में किया जा सकता है। याद रखें, हर साहसिक कदम का एक सही समय होता है, और मानसून उसका समय नहीं है।प्रकृति का सौंदर्य तभी आनंद देता है, जब उसके नियमों का सम्मान किया जाए। शांत मौसम में यही पहाड़, नदियाँ और झरने सुकून का अनुभव कराते हैं, लेकिन मानसून में उनका बदला हुआ रूप हर कदम पर खतरे का संकेत देता है। हर वर्ष अनेक परिवार केवल इसलिए अपूरणीय क्षति झेलते हैं क्योंकि मौसम की चेतावनियों को हल्के में लिया जाता है और रोमांच, विवेक पर भारी पड़ जाता है। सबसे बड़ा भ्रम यही है कि दुर्घटनाएँ केवल दूसरों के साथ होती हैं। वास्तव में सावधानी केवल स्वयं की सुरक्षा नहीं, परिवार और समाज के प्रति भी जिम्मेदारी है। जब एक युवा सुरक्षित रहता है, तब उसके साथ माता-पिता की उम्मीदें, परिवार के सपने और राष्ट्र का भविष्य भी सुरक्षित रहता है। इसलिए मानसून में सतर्क रहना कोई त्याग नहीं, बल्कि दूरदर्शिता और समझदारी का प्रमाण है।

आज देश को ऐसे युवाओं की आवश्यकता है, जिनका जोश विवेक से संचालित हो। आपका जीवन केवल आपका नहीं, बल्कि परिवार की उम्मीदों और राष्ट्र के भविष्य की अमूल्य पूँजी है। पर्वतों पर अवश्य जाएँ, लेकिन सुरक्षित मौसम में। नदियों और झरनों की सुंदरता का आनंद लें, पर उनके उफान को चुनौती न दें। सच्ची बहादुरी जोखिम उठाने में नहीं, सही समय पर सही निर्णय लेने में है।

गंगा-यमुना हिंडन अपार्टमेंट के निवासियों को बड़ी राहतः ओटिस करेगी 10 लिफ्टों की मरम्मत, एक महीने में मिलेंगे 6 नए ट्रांसफार्मर

गाजियाबाद (आरएनएस)। सिद्धार्थ विहार स्थित गंगा-यमुना हिंडन अपार्टमेंट के हजारों निवासियों को लंबे समय से लंबित समस्याओं के समाधान की दिशा में बड़ी राहत मिली है। आरडब्ल्यूए प्रतिनिधिमंडल और आवास विकास परिषद के अधिकारियों के बीच हुई अहम बैठक में सोसायटी की शेष 10 लिफ्टों की मरम्मत मूल निर्माता कंपनी ओटिस (OEM) से कराने पर सहमति बन गई। इसके साथ ही एक माह के भीतर छह नए ट्रांसफार्मर जारी करने का भी निर्णय लिया गया।आरडब्ल्यूए अध्यक्ष एएन त्रिपाठी ने बताया कि यह बैठक लखनऊ में आवास आयुक्त के साथ हुई वार्ता के बाद उनके निर्देश पर आयोजित की गई। बैठक में विद्युत अधीक्षण अभियंता सीपी सिंह, गाजियाबाद वृत्त के अधीक्षण अभियंता एके मित्तल तथा ओटिस कंपनी के अधिकारी मौजूद रहे।लिफ्ट समिति के सदस्य कैलाश चंद्र शर्मा ने बताया कि पहले 62 लाख रुपये का टेंडर एक गैर-ओईएम वेंडर को दिया गया था। आरडब्ल्यूए की आपत्ति के बाद उस टेंडर को निरस्त कर मूल निर्माता कंपनी ओटिस को ही मरम्मत का कार्य सौंपने का फैसला लिया गया। कंपनी ने करीब 80 लाख रुपये की लागत से आवश्यक अतिरिक्त बजट के साथ सभी लिफ्टों की मरम्मत करने पर सहमति दी है। बैठक में लिफ्टों के अलावा जर्जर भवनों की मरम्मत, इमारतों की पेंटिंग, क्लब हाउस की लिफ्ट, लंबित सिविल कार्यों और गंगाजल की निर्बाध आपूर्ति जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि बजट स्वीकृत होते ही सभी विकास एवं मरम्मत कार्य चरणबद्ध तरीके से शुरू कराए जाएंगे।

ऑपरेशन सिंदूर में धमाके आतंकी अड्डों पर हो रहे थे और गूंज दुनिया सुन रही थी. मेलबर्न में गरजे : मोदी

मेलबर्न (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देखने और सुनने के लिए मेलबर्न के मार्वल स्टेडियम में हजारों की संख्या में भारतीय समुदाय के लोग जुटे। प्रधानमंत्री अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथनी अल्बनीज के साथ यहां पहुंचे। पीएम मोदी ने वहां मौजूद प्रवासी भारतीयों से उनके सम्मान में फ्लैश लाइट जलाने को कहा, जिसके प्रत्युत्तर में पूरा स्टेडियम जगमगा गया। हजारों की संख्या में लोगों की मौजूदगी से गदगद पीएम मोदी ने कहा, ये शो हाउसफुल और ब्लॉकबस्टर है। पीएम ने अपने संबोधन में आगे कहा, मैं अपनी बात उस जमीन के पारंपरिक मालिकों को नमन करते हुए शुरू करना चाहता हूं जहां हम मिल रहे हैं और मैं उनके बड़े-बुजुर्ग, चाहे वे अतीत के हों, वर्तमान के हों या भविष्य के, उनके प्रति सम्मान व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, ये मेलबर्न शहर एक दिन में ही चार सीजन के दर्शन करा देता है, लेकिन भारतीय समुदाय ने अपने कल्चरल कलर से इसे और वाइब्रेंट बना दिया है। यहां मेलबर्न में और आस पास काफी ऐसे स्थान हैं, मार्केट हैं जो भारतीयता के रंग से भरे हैं। कोई इसे लिटिल इंडिया कहता है, कोई मिनी इंडिया कहता हैेज नाम कोई भी हो लेकिन रंग भारतीयता से भरे हुए हैं।पीएम मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान डेमो को देख ही लिया था। धमाके आतंकियों के अड्डे पर हो रहे थे और गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दे रही थी। इस करारे प्रहार से आपको गर्व हुआ कि नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि भारत के नागरिक इन सपनों को एनर्जी दे रहा है। नागरिक देवो भव का मंत्र आज के भारत के शासन का मूलमंत्र बन गया है।प्रधानमंत्री मोदी ने अपने 2014 के ऑस्ट्रेलिया दौरे को याद करते हुए कहा कि उस समय करीब 28 वर्षों के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने ऑस्ट्रेलिया की यात्रा की थी। उन्होंने कहा, उस दौरान मैंने कहा था कि अगली बार भारत के प्रधानमंत्री के आने के लिए लोगों को 28 साल इंतजार नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में यह उनकी ऑस्ट्रेलिया की तीसरी यात्रा है और यह एक तरह से 'हैट्रिक' है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बदलाव दर्शाता है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच संबंध कितनी तेजी से मजबूत हुए हैं। इससे पहले विक्टोरिया की प्रीमियर जेसिंटा ने पीएम मोदी का स्वागत किया। उन्होंने कहा, विक्टोरिया भारतीयों का सम्मान करता है, आपके मूल्यों का आदर करता है; हमारे लिए भारत ट्रेड का नहीं बल्कि ट्रस्ट का सबब है। उन्होंने इस मंच से भारत के लोगों को विक्टोरिया आने का न्योता दिया। इससे पहले मार्वल स्टेडियम में भारतीय समुदाय अपने पीएम की झलक देखने को बेताब दिखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सम्मान में आयोजित सामुदायिक कार्यक्रम में भारत का राष्ट्रगान गूंजा। इस विशेष अवसर पर ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज भी मौजूद रहे। कार्यक्रम ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मजबूत होते संबंधों, सांस्कृतिक जुड़ाव और दोनों देशों के लोगों के बीच बढ़ती साझेदारी की झलक पेश की।

नैनीताल में बारिश का कहर : 119 मिमी वर्षा से 22 सड़कें बंद, झील का जलस्तर बढ़ा, भूस्खलन से मची दहशत

नैनीताल ,(आरएनएस)। सरोवर नगरी नैनीताल में ऑरेंज अलर्ट के बीच हुई मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। बीती रात शुरू हुई तेज बारिश शुक्रवार सुबह तक जारी रही। जिले में 119 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जबकि नैनी झील का जलस्तर बढ़कर 81.3 फीट पहुंच गया है। लगातार हो रही बारिश के कारण एक राज्य मार्ग सहित 22 सड़कें बंद हो गई हैं और कई इलाकों में यातायात पूरी तरह प्रभावित हुआ है।

बारिश के चलते शहर के सात नंबर क्षेत्र और अपर माल रोड से ऊपर जाने वाले संपर्क मार्ग की सुरक्षा दीवार भूस्खलन की चपेट में आकर ढह गई। सूचना मिलते ही एसडीएम नवाजिश खलीक ने अधिकारियों के साथ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया और आसपास रहने वाले लोगों से सतर्क रहने तथा अनावश्यक आवाजाही से बचने की अपील की।

लगातार बारिश के कारण शहर की सड़कों पर जलभराव हो गया है। नाले उफान पर हैं और लंबे समय से सूखे पड़े प्राकृतिक जलस्रोत भी फिर से सक्रिय हो गए हैं। जगह-जगह सड़कों पर पानी बहने से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार मानसून पूरी तरह सक्रिय है और अगले कुछ दिनों तक इसी तरह बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है।

बारिश का असर पर्यटन पर भी साफ दिखाई दे रहा है। खराब मौसम के कारण पर्यटकों की संख्या में कमी आई है, जिससे होटल और पर्यटन कारोबार प्रभावित हुआ है। लगातार बारिश से तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है।

कुमाऊं में भी हालात गंभीर

लगातार बारिश का असर पूरे कुमाऊं मंडल में देखने को मिल रहा है। आयुक्त कार्यालय के अनुसार मंडल की 54 सड़कें बंद हैं, जिनमें बेतालघाट-मुक्तेश्वर, बेतालघाट-खैरना, पिथौरागढ़ का थल-मुनस्यारी मार्ग और खुटानी-धानाचूली राज्य मार्ग प्रमुख हैं।

मल्टीपल बैंक लोन के नाम पर करोड़ों की ठगी का खुलासा, 5 सदस्यीय गिरोह गिरफ्तार

कोंडागांव,(आरएनएस)। कोंडागांव जिले की फरसगांव और केशकाल पुलिस ने मल्टीपल बैंक लोन दिलाने के नाम पर शिक्षकों और अन्य लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरोह ने अलग-अलग मामलों में करीब 14 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी को अंजाम दिया है।पुलिस के मुताबिक फरसगांव और केशकाल थानों में दर्ज चार अलग-अलग प्रकरणों में पीड़ितों ने शिकायत की थी कि आरोपियों ने उन्हें विभिन्न बैंकों से एक साथ कई पर्सनल लोन दिलाने का झांसा दिया। आरोपियों ने लोन राशि का 40 प्रतिशत हिस्सा पीड़ितों को देकर शेष 60 प्रतिशत राशि अपने और साथियों के खातों में ट्रांसफर करा ली। साथ ही यह भरोसा दिलाया गया कि दो से तीन वर्षों में वे पूरी ईएमआई का भुगतान कर देंगे, लेकिन बाद में सभी आरोपी फरार हो गए।जांच में सामने आया कि गिरोह कई वर्षों से योजनाबद्ध तरीके से प्रदेश के विभिन्न जिलों, विशेषकर फरसगांव, केशकाल, बड़ेडोंगर, धनोरा और विश्रामपुरी क्षेत्र के शिक्षकों को निशाना बना रहा था।

महाराष्ट्र के रायगढ़ में बाढ़ के पानी में बह गए करीब 3000 LPG गैस सिलेंडर, चेतावनी जारी

नई दिल्ली/रायगढ़ ,(आरएनएस)। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बीच एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। पातालगंगा नदी में करीब तीन हजार

एलपीजी गैस सिलेंडर बहते दिखाई दिए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, पनवेल तालुका के चावणे स्थित एचपीसीएल के पातालगंगा एलपीजी बॉटलिंग प्लांट परिसर में भारी बारिश और जलभराव के कारण बड़ी संख्या में गैस सिलेंडर बहकर नदी में पहुंच गए। बताया जा रहा है कि इन सिलेंडरों में कुछ भरे हुए हैं, जबकि कुछ खाली हैं। घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन और संबंधित एजेंसियां अलर्ट हो गईं। रायगढ़ के जिलाधिकारी किशन जावले ने लोगों से अपील की है कि नदी या उसके किनारे बहकर आए किसी भी गैस सिलेंडर के पास न जाएं और न ही उसे उठाने या घर ले जाने का प्रयास करें।जिलाधिकारी ने कहा कि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि बहकर आए सिलेंडरों में गैस भरी है या नहीं और उनकी स्थिति कितनी सुरक्षित है। ऐसे में किसी भी सिलेंडर को छूना, खोलना या इस्तेमाल करने की कोशिश करना बेहद खतरनाक और जानलेवा साबित हो सकता है।प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं भी बहकर आया गैस सिलेंडर दिखाई दे तो इसकी सूचना तुरंत स्थानीय प्रशासन या संबंधित अधिकारियों को दें और उससे सुरक्षित दूरी बनाए रखें।लगातार बारिश के बीच पातालगंगा नदी में बहते हजारों गैस सिलेंडरों ने स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी है।

हरिद्वार-रुड़की में बारिश का कहरः सड़कें बनीं तालाब, घरों में घुसा पानी, स्कूल बंद, प्रशासन ने जारी किया अलर्ट

हरिद्वार, (आरएनएस)। उत्तराखंड में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। हरिद्वार और आसपास के क्षेत्रों में देर रात से लगातार झमाझम बारिश हो रही है, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। शहर के कई निचले इलाकों में जलभराव की गंभीर स्थिति बन गई है, जबकि रुड़की में हालात और भी खराब हो गए हैं। भारी बारिश के चलते जिला प्रशासन ने 9 जुलाई को सभी सरकारी, अशासकीय और निजी विद्यालयों के साथ-साथ सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश घोषित कर दिया है।

हरिद्वार में कई इलाकों में जलभराव, यातायात प्रभावित

लगातार हो रही बारिश के कारण मध्य हरिद्वार के व्यस्ततम श्री चंद्राचार्य चौक और भगत सिंह चौक रेलवे पुलिया के नीचे घुटनों तक पानी भर गया है। जलभराव के चलते वाहनों और पैदल राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई मार्गों पर यातायात धीमी गति से चल रहा है और लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

24 घंटे में अच्छी बारिश, गंगा का जलस्तर बढ़ा

पिछले 24 घंटों के दौरान हरिद्वार में अच्छी बारिश दर्ज की गई है। वहीं, भीमगोड़ा बैराज पर गुरुवार सुबह 8 बजे गंगा का जलस्तर 291.10 मीटर रिकॉर्ड किया गया। यह अभी भी चेतावनी स्तर 293.00 मीटर और खतरे के स्तर 294.00 मीटर से नीचे है। इसके बावजूद जिला प्रशासन ने गंगा किनारे रहने वाले लोगों और श्रद्धालुओं से सतर्क रहने तथा नदी के किनारे अनावश्यक रूप से न जाने की अपील की है।

रुड़की में हालात सबसे खराब, घरों में घुसा पानी

हर साल जलभराव की समस्या झेलने वाला रुड़की इस बार मानसून की शुरुआती बारिश में ही बुरी तरह प्रभावित हो गया है। शहर के कई इलाकों में एक से तीन फुट तक पानी भर जाने से करीब डेढ़ से दो लाख की आबादी प्रभावित हुई है।

कर्नाटक में भीषण सड़क हादसा : लॉरी से टकराई कार, 7 लोगों की मौत-दो गंभीर

बेंगलुरु,(आरएनएस)। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में गुरुवार तड़के हुए भीषण सड़क हादसे में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग-52 (N H-52) पर येल्लापुर थाना क्षेत्र के अराबैल घाट स्थित बालागारा क्रॉस के पास रात करीब 1:30 बजे हुआ।

पुलिस के अनुसार, धारवाड़ से धर्मस्थल और चिकमगलूर की यात्रा पर जा रही एक एमयूवी (मल्टी यूटिलिटी व्हीकल) की सामने से आ रही लॉरी से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए। हादसे के समय वाहन में चालक समेत नौ लोग सवार थे। घायल दोनों लोगों को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए हुबली के केआईएमएस अस्पताल रेफर कर दिया गया। उनका उपचार जारी है।

प्रारंभिक जांच में पुलिस ने बताया कि चालक संजीव कथित तौर पर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चला रहा था। इसी दौरान वाहन सड़क की दाईं ओर चला गया और अंकोला की ओर से आ रही लॉरी से आमने-सामने टकरा गया। पुलिस के अनुसार, चालक एक फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म के साथ पार्ट-टाइम डिलीवरी एग्जीक्यूटिव के रूप में भी काम करता था।मृतकों की पहचान चालक संजय अंगड़ी (33), बसवराज (48), अभिषेक ईश्वर (28), अक्षय (26), अभिषेक (26), मंजूनाथ चुलाकी (32) तथा एक अन्य व्यक्ति के रूप में हुई है। सभी मृतक धारवाड़ के निवासी थे और धार्मिक यात्रा पर निकले थे। सातवें मृतक की पहचान की प्रक्रिया जारी है।

घायल शिवराज की शिकायत के आधार पर येल्लापुर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 281 (तेज या लापरवाही से वाहन चलाना), 125(2) (दूसरों की जान या सुरक्षा को खतरे में डालकर गंभीर चोट पहुंचाना) और 106(1) (लापरवाही से मौत का कारण बनना) के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

CM रेखा गुप्ता ने 'सक्षम' योजना के अंतर्गत शिक्षा और तकनीक से जुड़ी कई महत्वपूर्ण पहलों का किया शुभारंभ

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने गुरुवार को शालामार गांव स्थित राजकीय बालिका सीनियर माध्यमिक विद्यालय में लाडली फाउंडेशन द्वारा हनीवेल टेक्नोलॉजी

के सीएसआर सहयोग से चलाए जा रहे 'सक्षम' कार्यक्रम के तहत कई आधुनिक सुविधाओं का उद्घाटन किया। इनमें एआई इंटीग्रेटेड स्मार्ट स्कूल टॉयलेट, स्टेम इनोवेशन लैब, आधुनिक कंप्यूटर लैब, स्मार्ट डिजिटल क्लासरूम और छात्राओं के स्वास्थ्य व जागरूकता से जुड़े विशेष कार्यक्रम शामिल हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि नए भारत की मजबूत नींव आधुनिक, वैज्ञानिक और तकनीक आधारित शिक्षा से ही तैयार होगी। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में नई शिक्षा नीति, डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास, विज्ञान और इनोवेशन को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। दिल्ली सरकार भी इसी दृष्टि के अनुरूप सरकारी विद्यालयों में आधुनिक अधोसंरचना विकसित कर रही है, जिससे प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण एवं तकनीक आधारित शिक्षा उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विद्यालय परिसर में स्थापित एआई-इंटीग्रेटेड स्मार्ट स्कूल टॉयलेट का उद्घाटन किया। यह अत्याधुनिक सुविधा विशेष रूप से छात्राओं की सुरक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य और गरिमा को ध्यान में रखते हुए विकसित की गई है।

तिरुपति में शादी की खुशियां मातम में बदलींः मामूली विवाद के बाद दो लोगों की चाकू मारकर हत्या, तीन आरोपी गिरफ्तार

तिरुपति (ए.)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति में एक शादी समारोह उस समय खूनी संघर्ष में बदल गया, जब पद्मावती कल्याण मंडपम के बाहर हुए विवाद में दो लोगों की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और शादी समारोह में शामिल लोग दहशत में आ गए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान मुनिरत्नम रेड्डी और सुब्बा रेड्डी के रूप में हुई है। मुनिरत्नम रेड्डी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल सुब्बा रेड्डी ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। वारदात के बाद पद्मावती कल्याण मंडपम के आसपास का क्षेत्र पुलिस छावनी में तब्दील हो गया।

प्रारंभिक जांच के अनुसार, घटना की जड़ एक प्रस्तावित शादी को लेकर चल रहा विवाद था। तिरुमला में कार्यरत संपूर्णम्मा ने अपनी बेटी की शादी सुनील नामक व्यक्ति से तय की थी। बताया जा रहा है कि सुनील पिछले कुछ महीनों से अपनी पत्नी से अलग रह रहा था। जब संपूर्णम्मा को पता चला कि सुनील एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए पद्मावती कल्याण मंडपम पहुंचने वाला है, तो उन्होंने मुनिरत्नम रेड्डी और सुब्बा रेड्डी से उससे बातचीत करने का अनुरोध किया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बातचीत के दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। इसी दौरान सुनील के दो रिश्तेदार भी मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि सुनील और उसके साथियों ने मिलकर मुनिरत्नम रेड्डी और सुब्बा रेड्डी पर चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

घटना के बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही ईस्ट डीएसपी भक्तवत्सलम, सीआई श्रीनिवासुलु, वेस्ट सीआई रामकृष्ण और पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान की और तिरुपति से बाहर निकलने से पहले ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों से पूछताछ जारी है। घटना के वायरल वीडियो और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

गर्ल्स हॉस्टल में जहरीले सांप का कहर, रात में सोते समय 4 छात्राओं को डसा; 13 साल की मासूम की मौत, 3 गंभीर

लोहरदगा ,(आरएनएस)। झारखंड के लोहरदगा जिले से एक बेहद दर्दनाक और दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। यहां के एक प्राइवेट बोर्डिंग स्कूल के गर्ल्स हॉस्टल में रात के समय एक जहरीला करैत सांप घुस आया और गहरी नींद में सो रही 4 मासूम छात्राओं को अपना शिकार बना लिया। इस आसमानी आफत में 13 साल की एक छात्रा की दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि तीन अन्य छात्राओं की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। इस हृदयविदारक घटना से स्कूल परिसर और छात्राओं के परिजनों में भारी चीख-पुकार और कोहराम मच गया है।

रात के अंधेरे में कमरे में घुसा काल, गहरी नींद में सो रही थीं छात्राएंअधिकारियों और स्कूल प्रबंधन से मिली जानकारी के मुताबिक, यह खौफनाक घटना मंगलवार रात रोचो महुआटोली स्थित सनवसिरा हायर सेकेंडरी रेजिडेंशियल स्कूल में हुई। रोजाना की तरह सभी छात्राएं रात का खाना खाने के बाद अपने-अपने कमरों में सोने के लिए चली गई थीं। रात करीब 11 बजे, जब सभी बच्चियां गहरी नींद में थीं, तभी एक अत्यधिक जहरीला करैत सांप रात के अंधेरे में चुपके से उनके कमरे में घुस गया और एक के बाद एक चार छात्राओं को डस लिया।

अस्पताल पहुंचते ही एक को डॉक्टरों ने किया मृत घोषित, रिम्स रेफर

के काटने से छात्राओं के अचानक चिल्लाने की आवाज सुनकर स्कूल के शिक्षक और हॉस्टल वार्डन तुरंत कमरे की तरफ भागे। घटना का पता चलते ही आनन-फानन में रात को ही चारों घायल छात्राओं को इलाज के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि, अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने 13 वर्षीय मासूम छात्रा वर्षा को मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायल तीन अन्य छात्राओं में से एक फुलमनिया की हालत बेहद नाजुक देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए रांची के राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (RIMS) रेफर कर दिया गया है। बाकी दो छात्राओं का लोहरदगा सदर अस्पताल में गहन इलाज चल रहा है, जहां डॉक्टरों की एक विशेष टीम उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

हमारी 38 मांगें मानो, नहीं तो, PoK से पाकिस्तान सरकार को 48 घंटे का अल्टीमेटम

मुजफ्फराबाद(ए.)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में पाकिस्तान सरकार के खिलाफ जनाक्रोश लगातार तेज होता जा रहा है। जम्मू-कश्मीर ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी (JAAC) ने पाकिस्तान सरकार को 48 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी है कि यदि उसकी 38 प्रमुख मांगों पर तत्काल कार्रवाई नहीं की गई तो पूरे क्षेत्र में व्यापक विरोध प्रदर्शन और आंदोलन शुरू किया जाएगा। आगामी 27 जुलाई को प्रस्तावित क्षेत्रीय चुनावों से पहले राजनीतिक माहौल बेहद गर्म हो गया है। 9 जुलाई से नामांकन प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही JAAC ने मुजफ्फराबाद तक विशाल विरोध मार्च निकालने की घोषणा की है। माना जा रहा है कि यह हाल के वर्षों में PoK का सबसे बड़ा राजनीतिक प्रदर्शन हो सकता है।

विरोध का सबसे बड़ा मुद्दा पाकिस्तान में बसे कश्मीरी शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 विधानसभा सीटों को समाप्त करने की मांग है। JAAC का आरोप है कि इन सीटों के माध्यम से इस्लामाबाद PoK की राजनीति में अनावश्यक हस्तक्षेप करता है और स्थानीय लोकतांत्रिक व्यवस्था को प्रभावित करता है। हालांकि, PoK के सुप्रीम कोर्ट ने अपने हालिया फैसले में स्पष्ट किया है कि ये सीटें संवैधानिक रूप से संरक्षित हैं और इन्हें समाप्त करने के लिए संवैधानिक संशोधन आवश्यक होगा।

महंगाई, बिजली और रोजगार को लेकर भी नाराजगी

JAAC ने अपनी 38 मांगों में जलविद्युत परियोजनाओं के समझौतों की समीक्षा, बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण, आवश्यक वस्तुओं विशेषकर आटे पर अधिक सब्सिडी और बिजली दरों में कटौती की मांग की है। संगठन का कहना है कि जिस क्षेत्र में बिजली का उत्पादन होता है, वहां के लोगों से ही ऊंची दरें वसूलना अन्यायपूर्ण है।

संवैधानिक स्थिति पर भी उठ रहे सवाल

पाकिस्तान भले ही इस क्षेत्र को 'आजाद कश्मीर' कहता हो, लेकिन संवैधानिक रूप से क्षय पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद-1 के तहत देश का हिस्सा नहीं है। यही कारण है कि इस क्षेत्र का पाकिस्तान की राष्ट्रीय संसद में कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। यद्यपि यहां राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, विधानसभा और सर्वोच्च न्यायालय जैसी संस्थाएं मौजूद हैं, लेकिन प्रशासनिक और नीतिगत अधिकारों का बड़ा हिस्सा इस्लामाबाद के नियंत्रण वाले संस्थानों के पास ही है। PoK में आर्थिक बदहाली भी लोगों के गुस्से की बड़ी वजह बन चुकी है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार, यहां की अधिकांश आबादी खेती और पशुपालन पर निर्भर है, लेकिन बड़ी संख्या में लोग खाद्य संकट और कुपोषण से जूझ रहे हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में खाद्य असुरक्षा की स्थिति और अधिक गंभीर बताई जाती है। वहीं स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, बच्चों में कुपोषण और मातृ मृत्यु दर जैसे संकेतक भी क्षेत्र की बदहाल स्थिति को उजागर करते हैं।

खराब पोषण और कमजोर टीकाकरण व्यवस्था से बच्चों पर आफत, बांग्लादेश में खसरे के संदिग्ध मामले 1 लाख पार

ढाका(ए.)। बांग्लादेश में पांच साल से कम उम्र के बच्चों के बीच खसरा (मीजल्स) और अन्य संक्रामक बीमारियां तेजी से फैल रही हैं। खराब स्थितियां, कुपोषण, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, इलाज

में देरी और बढ़ते चिकित्सा खर्च के कारण हालात लगातार गंभीर होते जा रहे हैं। बांग्लादेश के अखबार द डेली स्टार की एक रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गई है।रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2026 से 30 जून 2026 के बीच देश में खसरे के संदिग्ध मामले 1,01,077 दर्ज किए गए, जबकि 6,258 बच्चों की मौत इस बीमारी से जुड़ी बताई गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि खसरा एक बार फिर बांग्लादेश के लिए गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनकर उभरा है।रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश में हर साल पांच वर्ष से कम उम्र के लगभग 24,000 बच्चों की मौत निमोनिया के कारण होती है। इसका मतलब है कि प्रतिदिन औसतन 60 बच्चों की जान निमोनिया से चली जाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि कुपोषित बच्चों में खसरा और निमोनिया जैसी बीमारियों से गंभीर जटिलताओं और मौत का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। खसरा एक अत्यधिक संक्रामक वायरल बीमारी है, जिसका संक्रमण फैलने की क्षमता कोरोना वायरस से भी अधिक मानी जाती है।

इजरायल : युद्ध और संकट के बीच 'उम्मीदों वाली खुशबू', जाफा की मशहूर अबुलाफिया बेकरी को शांति की आस

जाफा (इजरायल)(ए.)। इजरायल के ऐतिहासिक शहर जाफा स्थित अबुलाफिया बेकरी केवल पारंपरिक मध्य-पूर्वी व्यंजनों के लिए ही नहीं, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक मेल-जोल की मिसाल के रूप में भी पहचानी जाती है। इस बेकरी के सीईओ सैद अबुलाफिया का कहना है कि उनका प्रतिष्ठान वर्षों से यहूदी, ईसाई और मुस्लिम तीनों समुदायों के लोगों को एक साथ जोड़ने का काम कर रहा है। यहां इजरायल में रह रहे भारतीय भी इस बेकरी के मुरीद हैं।आईएएनएस से बातचीत में सैद ने वर्तमान समय में आ रही चुनौतियों के बीच 'उम्मीदों वाली खुशबू' फैलाने का राज बताया। उन्होंने कहा, "अबुलाफिया परिवार मुस्लिम अरब परिवार है, लेकिन उनके ग्राहकों में सभी धर्मों के लोग शामिल हैं। बेकरी को यहूदी, ईसाई और मुस्लिम समान रूप से पसंद करते हैं। इजरायल में काम करने वाले कई भारतीय भी, खासकर डायमंड एक्सचेंज से जुड़े कर्मचारी, नियमित रूप से यहां आते हैं। सैद अबुलाफिया बेकरी की छठी पीढ़ी की नुमाइंदगी करते हैं। उन्होंने बताया, "1879 से हम इस बिजनेस में हैं। हमारी बेकरी में पारंपरिक मध्य-पूर्वी पेस्ट्री और बेकरी उत्पाद तैयार किए जाते हैं। इनमें तिल वाले बैगल्स, जातर के साथ पीटा ब्रेड और पनीर, फेटा चीज तथा आलू से भरे हुए सांबुसक जैसे लोकप्रिय व्यंजन शामिल हैं। बेकरी इजरायल में एक जाना-पहचाना ब्रांड बन चुकी है। "हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में क्षेत्रीय तनाव और सुरक्षा हालात का असर पर्यटन पर पड़ा है। अबुलाफिया के अनुसार, उनकी बेकरी के लगभग 15 प्रतिशत ग्राहक पर्यटक होते हैं, इसलिए पर्यटन में गिरावट का सीधा प्रभाव उनके कारोबार पर पड़ा। पिछले तीन वर्षों से पर्यटकों की संख्या काफी कम रही।अबुलाफिया बेकरी उम्मीद का दामन थामे हुए है। बिगड़े हालात में भी कुछ बनाने और बनने की इच्छा बरकरार है। जैसा सैद कहते हैं, "हाल में हुए संघर्षविराम (लेबनान) के बाद हालात में कुछ सुधार देखने को मिला है। उन्होंने क्षेत्र में स्थायी शांति की उम्मीद जताते हुए कहा कि मध्य-पूर्व में शांति लौटना सभी के लिए जरूरी है।

न्यूयॉर्क से रवाना हुई आईएनएस सुदर्शिनी, स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी के सामने लहराया तिरंगा

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय नौसेना की आईएनएस सुदर्शिनी ने अमेरिका में न्यूयॉर्क से आगे का सफर शुरू कर दिया है। न्यूयॉर्क में ठहरने के दौरान नौसेना

के पोत ने न केवल भारत की समृद्ध समुद्री विरासत का प्रदर्शन किया, बल्कि भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक, सांस्कृतिक और जन-जन के संबंधों को भी नई मजबूती प्रदान की।सुदर्शिनी स्वदेशी रूप से निर्मित तीन मस्तूल वाला बार्क पोत है। यह भारतीय नौसेना के 10 महीने लंबे अंतर महासागरीय अभियान 'लोकायन 2026' पर है। इस यात्रा के एक हिस्से के रूप में सुदर्शिनी ने अमेरिका की स्वतंत्रता की 250वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित इंटरनेशनल नेवल रिव्यू 250 और सेल फोर्थ 250 समारोहों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। यह आयोजन दुनिया भर की नौसेनाओं और पारंपरिक नौकायन पोतों की भागीदारी के कारण विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।अब भारतीय नौसेना के नौकायन प्रशिक्षण पोत आईएनएस सुदर्शिनी ने 'लोकायन 2026' अभियान के तहत अमेरिका के न्यूयॉर्क बंदरगाह पर अपना सफल प्रवास पूरा कर लिया है। 8 जुलाई को न्यूयॉर्क से प्रस्थान के साथ ही इस ऐतिहासिक यात्रा का एक महत्वपूर्ण अध्याय संपन्न हुआ। न्यूयॉर्क प्रवास का सबसे यादगार क्षण वह रहा जब आईएनएस सुदर्शिनी ने भव्य परेड ऑफ सेल में हिस्सा लिया।

भारत के साथ व्यापार समझौते से न्यूजीलैंड के व्यवसाय में आएगी तेजी : पीएम लक्सन

नई दिल्ली (ए.)। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने गुरुवार को कहा कि मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) के तहत पहले दिन से ही भारत को होने वाले 57 फीसदी निर्यात टैरिफ मुक्त हो जाएंगे।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम लक्सन ने लिखा, "हमारे व्यापार समझौते से न्यूजीलैंड के बिजनेस में तेजी आने वाली है और हम भारत को जो कुछ भी निर्यात करते हैं, उसका 57 फीसदी पहले दिन से ही टैरिफ मुक्त होगा।" यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 10 से 11 जुलाई तक न्यूजीलैंड के दो दिन के दौरे से पहले आया है। यह दौरा प्रधानमंत्री लक्सन के निमंत्रण के बाद हो रहा है और लगभग 40 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का न्यूजीलैंड का पहला आधिकारिक दौरा है।पीएम मोदी के मुताबिक, "यह दौरा मार्च 2025 में प्रधानमंत्री लक्सन के भारत दौरे के बाद हमारे आपसी संबंधों में आई मजबूत रफ्तार

को अधिक मजबूत करेगा।इससे पहले पीएम मोदी ने पहले एक्स पोस्ट में बताया था, "अपने दौरे पर मैं प्रधानमंत्री लक्सन के साथ इस बारे में चर्चा करूंगा कि आर्थिक, व्यापारिक और कमर्शियल संबंधों को और कैसे बढ़ाया जाए। भारत और न्यूजीलैंड ने मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करके आपसी व्यापार और कमर्शियल संबंधों को मजबूत करने का वादा किया है।"प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि भारत-न्यूजीलैंड के संबंधों में प्रवासी भारतीयों ने अहम योगदान दिया है और वह भारतीय समुदाय के एक बड़े समूह को संबोधित करने के लिए उत्सुक हैं, जिन्होंने जीवन के सभी क्षेत्रों में बेहतरीन काम किया है।इस साल 27 अप्रैल को भारत और न्यूजीलैंड ने एक अहम एफटीए को फाइनल किया, जो उनके आपसी संबंधों में एक अहम पल था।लक्सन ने भारत-न्यूजीलैंड एफटीए को पीढ़ी में एक बार मिलने वाला मौका बताया और भारतीय बाजार के स्केल और पोटेंशियल पर जोर दिया। लक्सन ने भारत के तेजी से बढ़ती कंज्यूमर अर्थव्यवस्था के तौर पर उभरने की ओर भी इशारा किया।लक्सन ने इस बात पर जोर दिया कि एफटीए न्यूजीलैंड को इंडिया की आर्थिक प्रक्षेपवक्र के साथ करीब से जोड़ने की स्थिति में रखता है, क्योंकि यह दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में से एक बनने की ओर बढ़ रहा है।

फीचर

मानसून में वॉशिंग मशीन का ऐसे रखें ध्यान, कपड़ों में नहीं आएगी सीलन की बदबू

बरसात के मौसम में हवा में नमी काफी बढ़ जाती है, जिसका असर वॉशिंग मशीन पर भी पड़ता है। धुलाई के बाद मशीन के अंदर बची नमी जल्दी नहीं सूखती और लंबे समय तक बनी रहती है। इससे ड्रम, रबर सील और डिटर्जेंट ट्रे में फफूंदी, बैक्टीरिया और बदबू बनने का खतरा बढ़ जाता है। इसका असर मशीन के साथ-साथ कपड़ों की सफाई और उनकी खुशबू पर साफ दिखाई देने लगता है।

धुलाई के बाद यह काम जरूर करें

विशेषज्ञों की सलाह है कि हर धुलाई के बाद वॉशिंग मशीन का दरवाजा और डिटर्जेंट ट्रे कुछ घंटों के लिए खुली छोड़ दें। इससे अंदर की नमी आसानी से बाहर निकल जाती है और हवा का प्रवाह बना रहता है। दरवाजा बंद करने से पहले रबर की सील को सूखे और साफ कपड़े से अच्छी तरह पोंछ लें। टॉप-लोड मशीन इस्तेमाल करने वाले लोग भी धुलाई के बाद कुछ समय तक ढक्कन खुला रखें।

समय-समय पर करें मशीन की सफाई

हर दो से तीन सप्ताह में बिना कपड़ों के गर्म पानी के साथ वॉशिंग मशीन क्लीनर चलाना फायदेमंद माना जाता है। इससे अंदर जमी गंदगी, फफूंदी और बैक्टीरिया साफ होने में मदद मिलती है। मशीन को हमेशा हवादार जगह पर रखें और ऐसी जगह लगाने से बचें, जहां सीधे बारिश या अधिक नमी का असर पड़ता हो। इससे वॉशिंग मशीन काफी लंबे समय तक बेहतर स्थिति में बनी रहती है।

इन छोटी सावधानियों से बचेंगे बड़े खर्च से

वॉशिंग मशीन के बिजली कनेक्शन, पावर सॉकेट और अर्थिंग की समय-समय पर जांच कराते रहें, ताकि नमी से होने वाली खराबी से बचा जा सके। अगर मशीन से बदबू आने लगे, पानी ठीक से बाहर न निकले या कोई दूसरी समस्या दिखे तो तुरंत जांच कराएं। समय पर सर्विस कराने से छोटी खराबी बड़ी नहीं बनती और मशीन की कार्यक्षमता तथा उम्र दोनों लंबे समय तक बेहतर बनी रहती हैं।

गोलमाल 5 से जुड़ा अभिनेत्री प्रियामणि का नाम, खलनायिका बनकर मचाएगी धमाल

रोहित शेट्टी एक बार फिर गोलमाल फ्रैंचाइजी की दुनिया में कदम रख चुके हैं। इस सुपरहिट फिल्म की 5वीं किस्त के साथ अजय देवगन और उनकी पूरी पलटन लौटने के लिए तैयार है। काफी समय से चर्चा थी कि इस बार निर्माता फिल्म में महिला अभिनेत्री को शामिल नहीं करेंगे और यह पूरी तरह से पुरुष प्रधान फिल्म होगी। अब फिल्म पर आई हालिया जानकारी पिछले दावे से पूरी तरह उलट है, क्योंकि एक अभिनेत्री इसमें शामिल हो गई हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, गोलमाल 5 से अभिनेत्री प्रियामणि का नाम जुड़ चुका है। फैमिली मैन और आर्टिकल 370 जैसी फिल्मों व सीरीज से चर्चा बटोरने वालीं अभिनेत्री फिल्म में एक नकारात्मक किरदार निभाती हुई दिखाई देंगी। अब देखना दिलचस्प होगा कि रोहित दर्शकों का मनोरंजन बढ़ाने के लिए अपनी फिल्म में अभिनेत्री का नकारात्मक किरदार किस तरह से दर्शाते हैं। फिलहाल तो प्रियामणि के जुड़ने की खबरों ने ही फैंस को उत्साहित कर दिया है। गोलमाल 5 में अजय के अलावा, अरशद वारसी, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, कुणाल खेमू और शरमन जोशी भी अपने-अपने किरदारों में वापसी करते हुए दिखाई देंगे। दिलचस्प बात यह है कि अक्षय कुमार भी फिल्म का आधिकारिक हिस्सा बन चुके हैं। कुछ महीने पहले निर्माताओं ने एक पोस्टर जारी करते हुए फिल्म की पूरी स्टारकास्ट से रूबरू करवाया था। खबरों के मुताबिक, फिल्म को 2027 की शुरुआत में रिलीज करने की योजना बनाई जा रही हैं।

पुष्पा 2 के बाद अल्लू अर्जुन की राका में दिखेगी अभिनेत्री श्रीलीला? जानिए क्या है अपडेट

अल्लू अर्जुन अपनी आगामी फिल्म राका से फिर बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने के लिए तैयार हैं। पुष्पा 2 (2024) की जबरदस्त सफलता के बाद, फैंस एटली द्वारा निर्देशित इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अप्रैल महीने में, निर्माताओं ने फिल्म से अल्लू की पहली आधिकारिक झलक सोशल मीडिया पर साझा की थी। इस बीच, फिल्म से जुड़ा एक ताजा अपडेट आया है जिसने लोगों के बीच इस परियोजना को लेकर हलचल मचा दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, राका में अल्लू और श्रीलाला के बीच एक सहयोग देखने को मिल सकता है। सूत्र ने कहा, कुछ दिन पहले श्रीलीला, अल्लू अर्जुन के साथ लगातार 2 दिनों तक राका की शूटिंग कर रही थीं। अभी कुछ पक्का नहीं है, लेकिन कुछ तो चल रहा है। और अगर यह सच है तो राका के साथ पुष्पा 2 की धूम जारी रहेगी। बता दें, दोनों ने पुष्पा 2 में एक डांस नंबर करके धमाल मचा दिया था।

फिलहाल, श्रीलीला के राका के साथ जुड़ने की अटकलों पर निर्माताओं ने अब तक कोई पुष्टि नहीं की है। फिल्म में पहली बार अल्लू के साथ दीपिका पादुकोण मुख्य किरदार में नजर आएंगी। खबरों की मानें, तो उन्हें इसमें एक शक्तिशाली योद्धा की भूमिका निभाते हुए देखा जा सकेगा। फिल्म की कहानी एक शक्तिशाली नायक के इर्द-गिर्द घूमने की उम्मीद है, जो हिंसा और बदला के संघर्षों में घिरा है। राका 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाने उतरेगी।

मिक्सर की जार को साफ करने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके, होगा आसान

आजकल मिक्सर लगभग हर रसोई में देखने को मिलता है। इसका उपयोग कई चीजों को पीसने के लिए किया जाता है। हालांकि, इसका उपयोग करने के बाद इसे साफ करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है, खासकर अगर जार में कुछ चिपक जाए तो इसे साफ करने में काफी मेहनत लगती है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर मिक्सर की जार को आसानी से साफ किया जा सकता है।

गर्म पानी और साबुन का करें इस्तेमाल

मिक्सर की जार को साफ करने के लिए गर्म पानी और साबुन का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले जार में गर्म पानी भरें, फिर इसमें थोड़ा साबुन डालकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। इसके बाद एक नरम स्पंज से जार को हल्के हाथों से साफ करें। इससे जार की अंदरूनी गंदगी और दाग हट जाएंगे और यह चमकदार बनेगा। ध्यान रखें कि पानी बहुत गर्म न हो ताकि जार टूट न जाए।

सिरका और खाने का सोडा भी है असरदार

मिक्सर की जार को साफ करने के लिए सिरका और खाने का सोडा का मिश्रण भी अच्छा उपाय हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले जार में एक चम्मच सिरका और एक चम्मच खाने का सोडा डालें, फिर इसे कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। इससे जार में जमा गंदगी नरम हो जाएगी। इसके बाद नरम स्पंज से जार को रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें। यह तरीका जार को नई जैसी चमकदार बनाएगा।

नींबू का रस भी करेगा मदद

नींबू का रस भी मिक्सर की जार को साफ करने में मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले जार में आधा कप पानी भरें, फिर उसमें दो चम्मच नींबू का रस डालें और इसे कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद सफाई के लिए साबुन डालकर मिक्सर को चलाएं, फिर इसे ठंडे पानी से धो लें। इससे जार की अंदरूनी गंदगी साफ हो जाएगी और यह चमकदार बनेगा।

खाने का सोडा और पानी का मिश्रण बनाएं

खाने का सोडा और पानी का मिश्रण भी मिक्सर की जार को साफ करने में मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले जार में एक चम्मच खाने का सोडा और एक चम्मच पानी डालें, फिर इसे कुछ मिनट के लिए छोड़ दें ताकि खाने का सोडा अच्छी तरह से फैल सके। इसके बाद एक नरम स्पंज से जार को हल्के हाथों से रगड़ें ताकि सारी गंदगी निकल जाए। अंत में ठंडे पानी से धोकर साफ करें।

सफेद सिरका और गर्म पानी का मिश्रण बनाएं

सफेद सिरका और गर्म पानी का मिश्रण भी मिक्सर की जार को साफ करने में मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले जार में आधा कप गर्म पानी भरें, फिर उसमें दो चम्मच सफेद सिरका डालें और इसे कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद नरम स्पंज से जार को रगड़ें ताकि सारी गंदगी निकल जाए। अंत में ठंडे पानी से धोकर साफ करें।

नक्सल मामलों में बंद परिजनों ने विधायक निवास पहुंचकर निशर्त रिहाई की मांग की

बीजापुर,(ए.)। नक्सल मामलों में जेलों में बंद लोगों के परिजन आज गुरूवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी के निवास पहुंचकर परिजनों ने अपने परिजनों की निशर्त रिहाई की मांग की। परिजनों का कहना था

कि, वर्षों से चल रही कानूनी प्रक्रिया, जेलों के लगातार चक्कर और वकीलों की फीस के कारण उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो गई है। कई परिवारों पर कर्ज का बोझ बढ़ गया है, जबकि बच्चों की पढ़ाई और रोजमर्रा का जीवन भी प्रभावित हो रहा है।मुलाकात के दौरान परिजनों ने आरोप लगाया कि, पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को सम्मान और विभिन्न सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं, जबकि महुआ बीनने वाले ग्रामीण, खेती-किसानी करने वाले किसान और स्कूली छात्रों तक को नक्सल मामलों में जेल भेजा गया है। उन्होंने दावा किया कि, ऐसे मामलों की निष्पक्ष समीक्षा कर निर्दोष लोगों को तत्काल निशर्त रिहा किया जाना चाहिए। परिजनों ने सरकार से लंबित मामलों की शीघ्र सुनवाई, न्यायिक प्रक्रिया में तेजी और जरूरतमंद परिवारों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराने की मांग भी की। उनका कहना था कि कई परिवार वर्षों से न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं और उन्हें राहत की आवश्यकता है। परिजनों ने विधायक से उनकी मांगों को शासन स्तर तक पहुंचाने और उचित पहल करने का आग्रह किया।

अगले 4 दिनों में रायपुर, बिलासपुर सहित कई जिलों के लिए मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज एक बार फिर बदल गया है। प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश का सिलसिला जारी है। इस बीच मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक प्रदेशभर में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। खासकर उत्तर छत्तीसगढ़ के एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ वज्रपात की भी संभावना है। ऐसे में लोगों को मौसम के अनुसार अपनी दिनचर्या और यात्रा की योजना बनाने की सलाह दी गई है।

पिछले 24 घंटे में कैसा रहा मौसम?

मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को छत्तीसगढ़ के अधिकांश जिलों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। राजधानी रायपुर में अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान पेंड्रा रोड में 22 डिग्री सेल्सियस रहा। विभाग के आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में अब तक हुई कुल मौसमी वर्षा सामान्य से 17 प्रतिशत कम दर्ज की गई है। हालांकि, आने वाले दिनों में बारिश की गतिविधियां बढ़ने से इस कमी में कुछ सुधार होने की संभावना है।

इन जिलों में बारिश के आसार

मौसम विभाग ने गुरुवार को रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, कोरिया, कोरबा, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, जशपुर, रायगढ़, जांजगीर-चांपा, मुंगेली, कबीरधाम, बेमेतरा, राजनांदगांव और कांकेर सहित कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। कुछ इलाकों में गरज-चमक के साथ तेज बारिश भी हो सकती है।

रायपुर का आज का मौसम

राजधानी रायपुर में गुरुवार को दिनभर आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। बीच-बीच में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के मौसम पर कई सक्रिय मौसमी सिस्टम का असर बना हुआ है। उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश और उससे लगे दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश के ऊपर बना चिन्हित निम्न दबाव का क्षेत्र अभी भी सक्रिय है। इसके साथ जुड़ा चक्रवाती परिसंचरण समुद्र तल से करीब 9.6 किलोमीटर की ऊंचाई तक फैला हुआ है। इसके धीरे-धीरे उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने और बाद में उत्तर-पूर्व की ओर मुड़ने की संभावना है। इसके अलावा समुद्र तल पर सक्रिय मौसमी द्रोणिका उत्तर-पश्चिम राजस्थान से उत्तर-पूर्व बांग्लादेश तक फैली हुई है।

यह झारखंड और उत्तरी गंगीय पश्चिम बंगाल से होकर गुजर रही है और प्रदेश के मौसम को प्रभावित कर रही है। एक अन्य द्रोणिका उत्तर-पूर्व अरब सागर से सिक्किम तक फैली हुई है, जो गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार होते हुए आगे बढ़ रही है। इन सभी मौसमी प्रणालियों के संयुक्त प्रभाव से छत्तीसगढ़ में अगले कुछ दिनों तक बारिश की गतिविधियां बनी रहने की संभावना है।

किसानों के लिए राहत

बारिश का यह दौर किसानों के लिए फायदेमंद माना जा रहा है, क्योंकि खरीफ फसलों को पर्याप्त नमी मिल रही है। वहीं, लगातार बारिश वाले क्षेत्रों में लोगों को जलभराव और फिसलन वाली सड़कों पर सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

एक सप्ताह से अंधेरे में रह रहे बस्तर जिले के दो गांवों में बहाल हुई विद्युत व्यवस्था

जगदलपुर,(आरएनएस)। बस्तर जिले के चित्रकोट विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत मिचनार-वन एवं गंवर छापर मिचनार-टू में पिछले लगभग एक सप्ताह से बिजली आपूर्ति बाधित रही। जिसके कारण इन गांवों के 400 से अधिक ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध कराने सहित दैनिक कार्यों में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।जिला प्रशासन की दखल के बाद विद्युत विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर तकनीकी खराबी को दूर किया और आवश्यक मरम्मत कार्य पूर्ण करते हुए आज गुरूवार को विद्युत व्यवस्था पुन: बहाल कर दी गई है। विद्युत व्यवस्था बहाल होने से अब दोनों गांवों में पेयजल आपूर्ति सामान्य हो गई है तथा घरेलू और अन्य आवश्यक कार्य भी नियमित रूप से संचालित होने लगे हैं।

अवैध शिकार के बाद तस्करी मामलें में पासेवाड़ा रेंजर, डिप्टी रेंजर व फॉरेस्ट गार्ड निलंबित

बीजापुर, (आरएनएस)। इंद्रावती टाइगर रिजर्व में अवैध शिकार के बाद तस्करी के मामले में कुल 9 लोगों की गिरफ्तारी के बाद अब विभागीय तौर पर बड़ी कार्रवाई की गई है। डीएफओ संदीप बल्गा ने आज बताया कि, कोताही बरतने के मामले में पासेवाड़ा रेंज अफसर कमल कश्यप, फॉरेस्ट गार्ड विश्वनाथ मांझी, नरहरि कश्यप डिप्टी रेंजर को निलंबित किया गया है। उल्लेखनीय है कि, इंद्रावती टाइगर रिजर्व और उससे सटा अबूझमाड़ का सघन वन क्षेत्र पिछले कुछ वर्षों से अंतरराष्ट्रीय और अंतरराज्यीय वन्यजीव तस्करों के निशाने पर रहा है। वर्ष 2023 से लेकर अब तक सिलसिलेवार ढंग से सामने आए मामलों ने इस संरक्षित क्षेत्र में बाघों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। शिकारियों के फंदे से शुरू हुआ यह घटनाक्रम अंतत: एक बड़े संगठित रैकेट के खुलासे और उसमें सरकारी कर्मियों की संलिप्तता तक जा पहुंचा है। उल्लेखनीय है कि, दो वर्ष पहले फरवरी 2024 में इंद्रावती टाइगर रिजर्व और बीजापुर वन संभाग के अंतर्गत मटवाड़ा (भैरमगढ़) के सीमावर्ती जंगलों में शिकारियों के एक गिरोह ने एक वयस्क नर बाघ को फंसाने के लिए जाल (फंदा) बिछाया था। जब शिकारियों ने फंदे में फंसे बाघ पर हमला किया, तो अपनी जान बचाने के लिए बाघ ने उन पर भीषण जवाबी हमला कर दिया। इस संघर्ष में एक शिकारी की मौके पर ही मौत हो गई। उसका दूसरा साथी शिकारी गंभीर रूप से घायल हो गया शुरुआत में वन विभाग ने इसे सामान्य वन्यजीव हमला माना था, लेकिन घटनास्थल पर मिले शिकार के उपकरणों, फंदे और खून के निशानों ने संदेह पैदा किया। अस्पताल में भर्ती घायल शिकारी से जब कड़ाई से पूछताछ की गई, तो उसने कबूल कर लिया कि वे लोग फंदे में फंसे बाघ का शिकार करने गये थे । शिकारियों के बिछाए फंदे में फंसकर बाघ गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। उसके शरीर पर गहरे और जानलेवा घाव थे। शिकारी घायल बाघ के करीब पहुंचे थे तो उन पर जख्मी बाघ ने झपट्टा मार दिया। जिसमें एक शिकारी की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया था।इस घायल शेर को प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) के निर्देश पर वन्यजीव विशेषज्ञों और डॉक्टरों की एक विशेष टीम ने मौके पर पहुंचकर बाघ को ट्रेंकुलाइज (बेहोश) किया। बीजापुर के जंगलों में प्राथमिक उपचार देने के बाद, बेहतर चिकित्सा और गहन निगरानी के लिए इसे सड़क मार्ग से नंदनवन जंगल सफारी, रायपुर लाया गया। सफारी के आइसोलेशन वार्ड में लंबे समय तक चले इलाज के बाद यह बाघ पूरी तरह स्वस्थ हो गया।

फोरेक्स ट्रेडिंग में 74 लाख की साइबर ठगी, राजस्थान से दो अंतर्राज्यीय आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, (आरएनएस)। फोरेक्स ट्रेडिंग में अधिक मुनाफे का लालच देकर 74 लाख रुपये की ऑनलाइन ठगी करने वाले दो अंतर्राज्यीय आरोपियों को रायपुर पुलिस ने राजस्थान से गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से घटना में इस्तेमाल किए गए तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। मामले में गिरोह के अन्य फरार सदस्यों की तलाश जारी है।यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला और पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) संदीप पटेल की संयुक्त मॉनिटरिंग में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा थाना न्यू राजेंद्र नगर पुलिस की संयुक्त टीम ने की।पुलिस के अनुसार न्यू राजेंद्र नगर निवासी बहादुर आर्य ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 17 अप्रैल 2026 को उन्होंने गूगल पर FOREX ट्रेडिंग सर्च किया था। इस दौरान उन्हें FIRSTIFY नामक टेलीग्राम ग्रुप से जोड़ दिया गया, जहां अधिक मुनाफे का झांसा देकर निवेश के लिए प्रेरित किया गया।आरोपियों ने अलग-अल मोबाइल नंबरों से संपर्क कर प्रार्थी और उसके भतीजे को फर्जी निवेश योजना में फंसाया। दोनों ने विभिन्न किश्तों में कुल 74 लाख रुपये निवेश कर दिए, लेकिन न तो कोई लाभ मिला और न ही रकम वापस की गई।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र व्यास के निधन पर जताया गहरा शोक

रायपुर,(आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने प्रेस क्लब राजनांदगांव के संरक्षक, दैनिक अमृत संदेश के जिला ब्यूरो चीफएवं वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र व्यास के निधन पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने अपने शोक संदेश में कहा कि स्व. व्यास का निधन पत्रकारिता जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने दशकों तक पूरी निष्ठा, ईमानदारी और प्रखरता के साथ पत्रकारिता के मूल्यों का निर्वहन किया। राजनांदगांव सहित पूरे प्रदेश में जनसरोकार की खबरों को प्रमुखता से उठाने में उनका योगदान हमेशा याद किया जाएगा। श्री देव ने कहा कि स्व. व्यास ने मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. मोतीलाल वोरा और अमृत संदेश के संस्थापक संपादक स्व. गोविन्दलाल वोरा की समृद्ध वैचारिक एवं पत्रकारिता की विरासत को पूरी शालीनता के साथ आगे बढ़ाया। उनका जाना छत्तीसगढ़ के पत्रकारिता जगत के एक मार्गदर्शक स्तंभ का ढह जाना है। श्री देव ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिवारजनों, मित्रों और पत्रकार साथियों को इस असहनीय दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

खेल समाचार

बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी भारत को दिला रही नई वैश्विक पहचान : मनसुख मांडविया

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी में लगातार अपनी मौजूदगी मजबूत कर रहा है। देश एक ओर 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी की तैयारी कर रहा है, जबकि 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भी अपनी दावेदारी मजबूत करने में जुटा है। इस बीच, केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी से भारत की वैश्विक पहचान मजबूत होती है और खिलाड़ियों को अपने ही देश में विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा का अनुभव मिलता है।

खेल मंत्रालय की रिलीज के अनुसार, जनवरी 2025 से जून 2026 के बीच भारत ने 15 से अधिक शहरों में 36 अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया है। इन आयोजनों ने यह साबित किया है कि भारत के पास विश्वस्तरीय खेल सुविधाएं ही नहीं, बल्कि बड़े टूर्नामेंटों के सफल संचालन की क्षमता भी तेजी से विकसित हो रही है।

नई दिल्ली, अहमदाबाद, भुवनेश्वर, चेन्नई, गोवा, गुवाहाटी, राजगीर, पटना, हैदराबाद, पुणे, लखनऊ और महाबलीपुरम जैसे शहर अब अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के प्रमुख केंद्र बनते जा रहे हैं। इन शहरों में आयोजित प्रतियोगिताओं में विश्व चैंपियनशिप, एशियाई चैंपियनशिप, विश्व कप, अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग टूर्नामेंट और महाद्वीपीय क्वालीफायर जैसे बड़े आयोजन शामिल हैं।

इन प्रतियोगिताओं में एथलेटिक्स, हॉकी, बैडमिंटन, शूटिंग, मुक्केबाजी, टेबल टेनिस, फुटबॉल, तैराकी, पैरा स्पोर्ट्स, शतरंज, साइकिलिंग, फेंसिंग, वॉलीबॉल, रग्बी और सर्फिंग सहित कई खेल शामिल रहे। इनमें से कई प्रतियोगिताओं की मेजबानी भारत ने पहली बार की। इसके साथ ही भारतीय खिलाड़ियों ने घरेलू मैदान पर शानदार प्रदर्शन करते हुए कई यादगार उपलब्धियां भी हासिल कीं।मनसुख मंडाविया ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी अब भारत के खेल विकास का अहम हिस्सा बन चुकी है। उनके अनुसार, ऐसे आयोजन देश की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ाने के साथ-साथ खिलाड़ियों को मजबूत विदेशी प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ खेलने का अवसर देते हैं। इससे खिलाड़ियों को विदेश जाकर प्रतियोगिताओं में भाग लेने पर होने वाला खर्च भी कम होता है। साथ ही अधिकारियों, तकनीकी विशेषज्ञों और स्वयंसेवकों को बड़े आयोजनों का अनुभव मिलता है, जिससे भविष्य के लिए मजबूत खेल व्यवस्था तैयार होती है। उन्होंने कहा कि 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स और 2036 ओलंपिक की तैयारी के लिए देशभर के अलग-अलग शहरों में प्रतियोगिताओं की मेजबानी से मिला अनुभव काफी उपयोगी साबित होगा और इससे भारत की आयोजन क्षमता और मजबूत होगी।भारत की खेल गतिविधियां आने वाले महीनों में भी जारी रहेंगी। जुलाई से दिसंबर 2026 के बीच 11 और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का आयोजन होना तय है। इनमें कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस चैंपियनशिप, विश्व स्नूकर चैंपियनशिप, पैरा आर्चरी एशिया कप, वर्ल्ड सर्फ लीग के मुकाबले, एशियाई जूनियर शतरंज चैंपियनशिप तथा बैडमिंटन, फुटबॉल और रग्बी के कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट शामिल हैं।

वर्ल्ड कप के लिए तैयार टीम इंडिया, हर्ष मेहता बने भारतीय पिकलबॉल टीम के कप्तान

मुंबई (आरएनएस)। भारतीय पिकलबॉल एसोसिएशन (आईपीए) ने पिकलबॉल वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 30 अगस्त से 6 सितंबर तक वियतनाम के दा नांग शहर में खेला जाएगा। भारतीय टीम का चयन कड़े ट्रायल और प्रतिस्पर्धी चयन प्रक्रिया के बाद किया गया है। यह टीम प्रोफेशनल वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी।इस बार टीम की कमान अनुभवी खिलाड़ी हर्ष मेहता को सौंपी गई है। हर्ष लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय पिकलबॉल सर्किट में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और उनके अनुभव से टीम को काफी उम्मीदें हैं। हर्ष के साथ युवा खिलाड़ी अर्जुन सिंह भी टीम का हिस्सा हैं। अर्जुन अंडर-18 वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे और उसी वर्ग की टीम की कप्तानी भी संभालेंगे।

फीफा वर्ल्ड कप : इंग्लैंड की बढ़ी चिंता, रीस जेम्स के खेलने पर सस्पेंस बरकरार

कैनसस सिटी (आरएनएस)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर-फाइनल मुकाबले से पहले इंग्लैंड फुटबॉल टीम की मुश्किलें बढ़ गई हैं। टीम के स्टार डिफेंडर रीस जेम्स का नॉर्वे के खिलाफ होने वाले मुकाबले में खेलना अभी तय नहीं है। हैमस्ट्रिंग चोट से जूझ रहे जेम्स बुधवार को भी टीम के साथ ट्रेनिंग नहीं कर पाए।

रीस जेम्स को घाना के खिलाफ इंग्लैंड के दूसरे ग्रुप मुकाबले के दौरान चोट लगी थी। गोलरहित ड्रॉ रहे इस मैच के बाद से वह टीम से बाहर हैं। वह रविवार को मेक्सिको के खिलाफ खेले गए राउंड ऑफ-16 मुकाबले में भी मैदान पर नहीं उतर सके थे। इंग्लैंड ने इस मैच में मेक्सिको को 3-2 से हराकर क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाई है।

इंग्लैंड के कोच थॉमस ट्यूशेल के लिए डिफेंस को लेकर चिंता बढ़ गई है। मेक्सिको के खिलाफ मैच में जेरेल क्वांसाह को रेड कार्ड मिला था, जिसके कारण वह नॉर्वे के खिलाफ क्वार्टर-फाइनल मुकाबले में नहीं खेल पाएंगे। ऐसे में राइट-बैक पोजीशन पर टीम के पास विकल्प सीमित हो गए हैं। मेक्सिको पर रोमांचक जीत के बाद इंग्लैंड के खिलाड़ियों को आराम और रिकवरी का समय दिया गया था। इसके बाद टीम के ज्यादातर खिलाड़ी स्वोप सॉकर विलेज में ट्रेनिंग के लिए लौटे। हालांकि, मार्क गुएही, रीस जेम्स और डेक्लान राइस ने सुबह के अभ्यास सत्र में हिस्सा नहीं लिया। ये खिलाड़ी पहले से ही अलग-अलग व्यक्तिगत कार्यक्रम के तहत काम कर रहे थे। डेक्लान राइस ने संकेत दिया है कि वह थोड़ी परेशानी के बावजूद खेलने के लिए तैयार हैं। वहीं, गुएही की गैरमौजूदगी को मांसपेशियों की थकान से जोड़ा गया है। इस बीच, अनुभवी मिडफील्डर जॉर्डन हेंडरसन भी टीम के साथ बने हुए हैं। मेक्सिको के खिलाफ जीत का जश्न मनाने के दौरान उनकी कलाई में गंभीर चोट लगी थी। उनकी सफल सर्जरी के बाद वह वापस इंग्लिश कैंप में लौट आए हैं। टीम ने बताया कि हेंडरसन फिलहाल होटल में आराम कर रहे हैं और उनकी हालत बेहतर है। इंग्लैंड के पास मियामी में होने वाले क्वार्टर-फाइनल मुकाबले से पहले दो दिन की ट्रेनिंग का समय बचा है। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जीत दर्ज करने वाली टीम का सामना सेमीफाइनल में अर्जेंटीना या स्विट्जरलैंड से होगा।

एन्जो मारेस्का की नई टीम तैयार, मैनचेस्टर सिटी में विली कैबलेरो की वापसी

मैनचेस्टर (आरएनएस)। इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब मैनचेस्टर सिटी ने नए मैनेजर एन्जो मारेस्का के साथी कोचिंग स्टाफ की आधिकारिक घोषणा कर दी है। मारेस्का की इस नई टीम में सबसे बड़ा नाम क्लब के पूर्व गोलकीपर विली कैबलेरो का है, जिन्होंने कई साल बाद एक बार फिर मैनचेस्टर सिटी में वापसी की है।

क्लब ने बताया कि रॉबर्टो विटिएलो, विली कैबलेरो, डैनी वॉकर, मिशेल डी बर्नार्डिन, मार्कोस अल्वारेज, डेनिस सिल्वा और जेवियर मोलिना, एन्जो मारेस्का की नई टीम का हिस्सा होंगे। इसके अलावा सेट-पीस कोच जेम्स फ्रेंच और गोलकीपिंग कोच रिचर्ड राइट अपने मौजूदा पद पर बने रहेंगे। 43 वर्षीय एन्जो मारेस्का को पिछले महीने तीन साल के अनुबंध पर मैनचेस्टर सिटी का नया मैनेजर बनाया गया था। उनके साथ लंबे समय से काम कर रहे रॉबर्टो विटिएलो अब सहायक मैनेजर की जिम्मेदारी संभालेंगे। विटिएलो और मारेस्का का साथ खिलाड़ी के रूप में भी रहा है। दोनों ने इटली के कई क्लबों के लिए एक साथ खेला और बाद में कोचिंग में भी साथ काम किया। उन्होंने पर्मा, लीसेस्टर सिटी और चेल्सी में भी मारेस्का के साथ जिम्मेदारी निभाई।अर्जेंटीना के पूर्व गोलकीपर विली कैबलेरो ने 2014 से 2017 के बीच मैनचेस्टर सिटी के लिए 48 मुकाबले खेले थे। वह क्लब के लिए लीग कप जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रहे थे और पेनल्टी शूटआउट में उनके शानदार प्रदर्शन को आज भी याद किया जाता है।

चित्रा के. सोमन की प्रेरणादायक कहानी, मेहनत के दम पर कॉमनवेल्थ में सिल्वर और ग्रांड प्रिक्स में रचा इतिहास

नई दिल्ली (आरएनएस)। कुछ खिलाड़ियों में टैलेंट कूट-कूटकर भरा होता है, तो कुछ खिलाड़ी कड़ी मेहनत के दम पर अपनी पहचान बनाते हैं। ऐसी ही खिलाड़ी रहीं चित्रा.के.सोमन, जिन्होंने अपनी मेहनत के दम पर 400 मीटर की दौड़ में देश का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन किया।

चित्रा का जन्म 10 जुलाई, 1983 को केरल के कोट्टायम में हुआ। चित्रा को शुरुआत से ही दौड़ने का काफी शौक था। वह स्कूल स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती थीं। जल्द ही उनकी काबिलियत को कोच ने पहचाना और चित्रा ने बतौर धावक करियर बनाने का फैसला कर लिया। साधारण परिवार में जन्मीं चित्रा ने अपनी लगन और कड़ी मेहनत के दम पर सफलता की सीढ़ियां चढ़ती चली गईं।साल 2004 में हुए एथेंस ओलंपिक में 4 400 मीटर रिले स्पर्धा में चित्रा ने हिस्सा लिया और वह सातवें स्थान पर रहीं। टीम स्पर्धा में उन्होंने मंजीत कौर, के.एम.बीनामोल और राजविंदर कौर के साथ मिलकर 4 400 मीटर रिले में नेशनल रिकॉर्ड बनाया। टीम की साथी खिलाड़ियों संग मिलकर उन्होंने यह रिले 3:26.89 मिनट में पूरी की। इस प्रदर्शन ने विश्व स्तर पर उनको पहचान दिलाने का काम किया। साल 2006 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में चित्रा का प्रदर्शन लाजवाब रहा और वह सिल्वर मेडल जीतने वाली रिले टीम का हिस्सा रहीं।

फीफा विश्व कप से पहले मोरक्को को बड़ा झटका, सैबारी फ्रांस के खिलाफ क्वार्टर-फाइनल से बाहर

नई दिल्ली (आरएनएस)। फीफा विश्व कप 2026 के क्वार्टर-फाइनल में फ्रांस जैसी मजबूत टीम के खिलाफ मुकाबले से पहले मोरक्को को बड़ा झटका लगा है। उनके मुख्य फॉरवर्ड इस्माइल सैबारी चोट के कारण इस अहम मैच से बाहर हो गए हैं।मोरक्को के हेड कोच मोहम्मद ओआबी ने गुरुवार को मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में सैबारी के बाहर होने की पुष्टि की। ओआबी के अनुसार, कनाडा के खिलाफ राउंड ऑफ 16 की जीत के दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट लगने के बाद यह फॉरवर्ड समय पर ठीक नहीं हो सका। हालांकि, कोच को उम्मीद है कि अगर उनकी टीम सेमीफाइनल में पहुंचती है, तो 25 वर्षीय खिलाड़ी फिट हो जाएगा।मैच से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ओआबी ने कहा, वह तैयार नहीं हैं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि यह उनके लिए टूर्नामेंट का अंत नहीं है।

सैबारी मौजूदा टूर्नामेंट में अफ्रीकी टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने ग्रुप स्टेज के तीनों मैचों में गोल किए और राउंड ऑफ 32 में नीदरलैंड के खिलाफ निर्णायक शूटआउट में पेनल्टी को गोल में बदला। उनकी अनुपस्थिति के कारण मोरक्को को 2022 वर्ल्ड कप की उपविजेता टीम के खिलाफ अधिक रक्षात्मक रणनीति अपनानी पड़ सकती है।फीफा ने फ्रांस और मोरक्को के बीच क्वार्टर-फाइनल मुकाबले के लिए पूरी तरह से अर्जेंटीना के अधिकारियों की टीम नियुक्त करके एक बड़ी बहस छेड़ दी है। 2026 टूर्नामेंट में यह पहली बार है जब किसी मैच का संचालन पूरी तरह से एक ही देश के अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। हालांकि, मोरक्को के कोच ने अधिकारियों के प्रभाव को कम करके आंका है।

भारतीय किसान संघ ने भरी हुंकार, 'राम नाम सत्य है मोहन सरकार मस्त है'

अनिश्चितकालीन आंदोलन जारी, नर्मदा तट पर पहुंचकर किया जल सत्याग्रह

नर्मदापुरम (निप्र)। भारतीय किसान संघ द्वारा मूंग की 100 प्रतिशत खरीदी की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन आंदोलन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में भारतीय किसान संघ नें पीपल चौक पर एक किसान को लिटाकर मोहन सरकार को नींद से जगाने का प्रदर्शन करते हुए 'राम नाम सत्य है मोहन सरकार मस्त है' जमकर नारेबाजी की। फिर सरें भरते हुए नर्मदा तट पर पहुंचकर

नर्मदा तट पर जल सत्याग्रह किया। नर्मदा मैया में खड़े होकर अनेक घंटे तक जल सत्याग्रह किया। इसके बाद एडीएम को ज्ञापन दिया। जल सत्याग्रह के बाद किसान वापस धरनास्थल पर आकर अनिश्चितकालीन आंदोलन प्रारंभ किया।

सर भरते हुए पहुंचे मां नर्मदा के तट पर

जिलाध्यक्ष ओमकार सिंह राजपूत नें बताया कि किसान आज सर भरते हुए नर्मदा जी के दर्शन करनें एवं जल सत्याग्रह करनें गये थे। 3 घंटे शांतिपूर्वक सत्याग्रह किया। सोहागपुर एवं पिपरिया इटारसी के कार्यकर्ता धरना देनें बैठे।

यह रहे उपस्थित

संघ के सत्याग्रह में प्रांत अध्यक्ष सर्वज्ञ दीवान, जिलाध्यक्ष ओमकार राजपूत, जिला सहमंत्री रजत दुबे, प्रचार प्रसार प्रमुख शिवमोहन सिंह, लखनलाल राजपूत, रेवक सिंह, नबाब सिंह, श्रीराम दुबे, मोरसिंह राजपूत, श्यामशरण तिवारी, सुनील पटैल लालजीराम रघुवंशी राजेश साध ओमप्रकाश महालहा जगदीश कुशवाह सुभाष साध लक्ष्मीनारायण यादव आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

सीवर और नल के पाइप लाइन के लिए खोदी गई हैं सड़कें

सुधार के नाम पर हो रही खानापूर्ति,बारिश में नागरिक हो रहे परेशान

नर्मदापुरम(निप्र)। सीवर लाइन और पाइप लाइन के नाम पर पूरे शहर के अनेक स्थानों की पक्की सड़कों को ढूंड ढूंडकर एक तरफ से खोदा गया। आडी तिरझी पाइप लाइन डालकर खानापूर्ति कर दी। लेकिन अनेक जगह पर सड़कों को खुदी हुई छोड़ दिया गया। अनेक बार लोगों के द्वारा आपत्ति ली जा रही थी। महिनों पूर्व खुदी हुई सड़कों की मरम्मत के नाम पर लीपापोती की गई है। हाउसिंग बोर्ड, सदर बाजार, कोठीबाजार, बालागंज, रामगंज, सराफा चौक, इंदिरा चौक सहित अनेक वार्डों में सड़क के सुधार के नाम पर ठीक से काम नहीं किया गया। जिससे अब बरसात में नागरिक बहुत परेशान हो रहे हैं। लेकिन इससे किसी को कोई लेना देना नहीं है। बारिश के कारण मिट्टी डाली हुई सड़क खराब हो रही है। तीन चार दिनों से रूक रूक कर बारिश हो रही है। जिससे सड़कों का सुधारना नहीं सुधरना एक बराबर हो रहा है। नागरिको के घरों तथा दुकान के सामने की सड़क को खोदे हुए महिने हो चुके लेकिन सही तरह से ठीक नहीं किया गया। बारिश होने के कारण सुधार वाले हिस्से में बरसाती पानी भर गया जिससे मरम्मत कार्य कमजोर हो गया है। सड़क बराबर थी लेकिन मरम्मत कुछ ऐसी की गई है कि वह नाली के बाजू में दूसरी नाली बन गई है। जिसमें बारिश का पानी रूक रहा है। इससे सड़क और कमजोर होगी। सड़क की हालत खराब होने पर न तो पार्षद और न ही कोई अन्य जनप्रतिनिधियों की बोलती बंद है। नागरिक अपने हाल पर परेशानी उठा रहे हैं।

पूर्व प्राचार्य कामनी जैन की जमानत याचिका न्यायालय ने खारिज की

नर्मदापुरम (निप्र)। शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय में खेल सामग्री खरीदी के मामले में गड़बड़ी को लेकर हुई जांच में पूर्व प्राचार्य कामनी जैन की लिप्तता होने पर सेवानिवृत्ति से एक दिन पूर्व उन पर प्रकरण दर्ज हुआ है। आरोपी कामनी जैन ने अग्रिम जमानत के लिए विशेष न्यायालय में याचिका लगाई थी। जिसे न्यायालय ने खारिज कर दिया है। अब उन्हें कोर्ट में पेश होना पड़ेगा। क्योंकि अदालत ने उन्हें जमानत नहीं दी है। प्राचार्य ने सेवानिवृत्त होने से चंद दिन पूर्व ही खेल सामग्री क्रय करने में जल्दबादी दिखाते हुए सामग्री आने से पूर्व ही करीब 9 लाख 20 हजार का भुगतान करवा दिया था। इस मामले प्राचाार्य सहित अन्य तीन पर भी मामला दर्ज हुआ है। विधायक डॉ सीतासरन शर्मा के संज्ञान में आने पर उन्होंने स्वयं कालेज पहुंच कर खेल सामग्री की जानकारी ली थी लेकिन तब तक सामग्री नहीं आई थी। तब उन्होंने कलेक्टर से जांच करवाने को कहा था कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने तहसीलदार से जांच कराई जिसमें खेल सामग्री आने से पूर्व ही भुगतान होना पाया गया। जो बिल्कुल गलत था। इसी आधार पर सेवानिवृत्ति से एक दिन पूर्व ही प्राचार्य कामनी जैन पर एफआईआर दर्ज हुई है। प्रकरण दर्ज होने के बाद प्राचार्य द्वारा जमानत कराने के लिए जो याचिका लगाई है। न्यायालय ने जमानत देने से इंकार कर दिया है।

स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एनसीसी बॉयज कैडेट्स की भर्ती प्रक्रिया हुई

विद्यालय के 49 विद्यार्थियों ने भाग लिया, 25 छात्रों का चयन हुआ

नर्मदापुरम (निप्र)। स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 13 एमपी बटालियन एनसीसी बॉयज कैडेट्स की भर्ती प्रक्रिया हुई। इस प्रक्रिया में विद्यालय के 49 बच्चों ने भाग लिया जिनमें से 25 बच्चों का चयन किया गया। शारीरिक व अन्य क्षमताओं के आधार पर चयनित इन कैडेट्स को विद्यालय के एनसीसी दल में प्रवेश देकर सैन्य प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा जिससे वे अपने कौशल और नेतृत्व क्षमता का विकास कर सकें। एनसीसी का उद्देश्य युवाओं में अनुशासन नेतृत्व और सामुदायिक सेवा की भावना को बढ़ावा देना है। 13 एमपी बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल एसपी सिंह, एडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल विवेक सिंह चुण्डावत के निर्देशानुसार नए कैडेट्स भर्ती हेतु चयन किए। सूबेदार मेजर बी सी तिलक एवं नायब सूबेदार मेहराम सिंह के मार्गदर्शन में सेकंड ऑफिसर शेख कमर हवलदार अर्जुन सिंह एवं हवलदार अजीत सिंह द्वारा भर्ती प्रक्रिया सम्पन्न कराई गई।

चयनित कैडेट्स को संस्था डायरेक्टर डॉ आशीष चटर्जी एवं प्राचार्य श्रीमती मोना चटर्जी ने बधाई दी एवं कड़ी मेहनत कर सफलता प्राप्त करने तथा पूर्व में विद्यालय के छात्र जैसे आरडीसी परेड एवं थल सेना कैंप में जाने के लिए शुभकामनाएं दीं।

वाहनों की बढ़ती जा रही संख्या, सड़कों पर ही खड़े कर दिए जाते हैं वाहन

हर दिन सड़कों पर लग रहा जाम, परेशान होता है अवाम

नर्मदापुरम (निप्र)। नगर की सड़कों किनारे खड़े होने वाली वाहनों की बड़ती संख्या की वजह से लोगों को ट्रैफिक जाम की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। लंबे समय से चली आ रही इस समस्या पर जिम्मेदारों द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिसके चलते स्थिति और भी ज्यादा खराब हो गई है। नगर के बाजार वाहन पार्किंग नहीं होने से लोग अपने वाहन रोड किनारे खड़े कर देते हैं।

जिससे सड़क सिकुड़कर छोटी रह जाती है। इस दौरान अगर कोई वाहन निकलता है तो ट्रैफिक जाम लग जाता है। जाम से जहां लोग परेशान होते हैं वहीं व्यापारियों का कारोबार भी प्रभावित होता है। नागरिकों का कहना है कि जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी के चलते संभाग मुख्यालय में यातायात व्यवस्था दिनोंदिन लचर होती जा रही है। जिसका खामियाजा राहगीरों को हर रोज भुगतना पड़ रहा है। नगर के व्यापारियों का कहना है कि बाजार में पार्किंग नहीं होने से लोग हमारी दुकानों के सामने रोड पर अपने वाहन खड़े कर देते हैं वहीं जाम लगने के दौरान अन्य लोग खरीदारी के लिए परेशान होते हैं। जिससे कारोबार प्रभावित होता है। शहर में वाहनो की संख्या बहुत तेजी से बड़ती जा रही है। यातायात विभाग चौराहों पर भी पूरी तरह से व्यवस्था नहीं संभाल पा रहे हैं।

कलेक्टर के निर्देशानुसार वन व्यवस्थापन प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए एसडीएम सिवनी मालवा ने की समीक्षा बैठक

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में वन व्यवस्थापन प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए प्रत्येक अनुविभाग स्तर पर संबंधित एसडीएम की अध्यक्षता में बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में अनुविभाग सिवनी मालवा अंतर्गत आने वाले 42 वनखंडों के वन व्यवस्थापन संबंधी प्रकरणों की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं वन व्यवस्थापन अधिकारी विजय राय ने की। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी (वन) अनिल विश्वकर्मा एवं तहसीलदार नितिन झोड़ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य वन व्यवस्थापन प्रकरणों का शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करना था। इस दौरान भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 5 से 20 तक के प्रावधानों के अंतर्गत आवश्यक वैधानिक कार्रवाई में तेजी लाने तथा चिन्हित संरक्षित वनों को आरक्षित वन घोषित करने की प्रक्रिया को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मैदानी स्तर पर वन व्यवस्थापन कार्यों को सुचारू एवं त्रुटिरहित ढंग से संपादित करने के लिए वन विभाग एवं राजस्व विभाग के बीच बेहतर समन्वय पर विशेष जोर दिया गया। सभी बीट गार्डों एवं पटवारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए शासन की मंशा के अनुरूप निर्धारित समय-सीमा में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

नागद्वारी मेले से पूर्व आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

750 किलोग्राम महुआ लाहन एवं 53 लीटर हाथभट्टी शराब जब्त, 8 प्रकरण दर्ज

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में अवैध शराब के निर्माण, विक्रय, परिवहन एवं संग्रहण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा नागद्वारी मेले के पूर्व वृत पिपरिया अंतर्गत पचमढ़ी क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान बड़ा महादेव, डीपी प्वाइंट, मटकुली, देनवा नदी किनारा, सिंगनामा एवं पगारा क्षेत्र में आकस्मिक दबिश देकर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) के तहत कुल 8 प्रकरण दर्ज किए गए। कार्रवाई के दौरान लगभग 750 किलोग्राम महुआ लाहन एवं 53 लीटर हाथभट्टी मदिरा जब्त की गई। जब्त सामग्री का अनुमानित मूल्य 80 हजार 300 रुपये आंका गया है।

खाद वितरण एवं कानून व्यवस्था को लेकर एसडीएम सिवनी मालवा ने किसान संगठनों के साथ की बैठक

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम के निर्देशन में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सिवनी मालवा विजय राय ने गुरुवार को स्थानीय किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ मूंग उपार्जन, खाद वितरण तथा क्षेत्र की कानून व्यवस्था के संबंध में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में एसडीएम श्री राय ने किसान संगठनों से क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसानों को खाद वितरण में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए शासन एवं प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।बैठक में बताया गया कि खाद वितरण के लिए ई-विकास प्रणाली के माध्यम से ई-टोकन व्यवस्था लागू की गई है।

निर्माण स्थलों का निरीक्षण कर श्रमिकों को ई-श्रम एवं प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना की दी गई जानकारी

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन द्वारा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के हितों की सुरक्षा तथा श्रम कानूनों एवं सुरक्षा मानकों के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन में कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशन में जिले के विभिन्न निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया गया। श्रम निरीक्षक श्रीमती ज्योति पी.ए. ने निर्माण स्थलों का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों से संबंधित आवश्यक जानकारी पोर्टल पर दर्ज की।

निरीक्षण के दौरान निर्माण स्थलों पर नियुक्त सेफ्टी ऑफिसर की जानकारी भी प्राप्त की गई तथा श्रम कानूनों एवं निर्धारित सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित निर्माण एजेंसियों को दिए गए। निरीक्षण के दौरान कार्यरत श्रमिकों को श्रम विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं उनसे मिलने वाले हितलाभों की जानकारी प्रदान की गई।

साथ ही असंगठित श्रमिकों से केंद्र सरकार की ई-श्रम योजना के अंतर्गत पंजीयन कराने की अपील की गई। इसके अतिरिक्त श्रमिकों को प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के अंतर्गत पंजीयन की प्रक्रिया एवं योजना से प्राप्त होने वाले सामाजिक सुरक्षा लाभों की भी विस्तृत जानकारी दी गई।

श्रम विभाग ने निर्माण एजेंसियों से कार्यस्थलों पर श्रमिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी वैधानिक प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने तथा पात्र श्रमिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने लिए निर्देशित भी किया गया।

कलेक्टर के निर्देशन में गोवंश प्रबंधन हेतु विशेष अभियान 11 जुलाई से

मुख्य मार्गों से गोवंश को सुरक्षित गौशाला पहुंचाया जाएगा

नर्मदापुरम(निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम के निर्देशन में जिले में गोवंश के प्रभावी प्रबंधन एवं संरक्षण के उद्देश्य से विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। विशेष रूप से अभियान के तहत सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि एवं पशु हानि पर अंकुश

लगाने का प्रयास किया जाएगा। इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) विजय राय की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पशु चिकित्सा विभाग के चिकित्सक, क्षेत्र के हल्का पटवारी, कोटवार, ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक (जीआरएस), सरपंच, गो-सेवा से जुड़े विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में मुख्य मार्गों एवं हाईवे पर विचरण करने वाले गोवंश को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराने तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।बैठक में निर्णय लिया गया कि 11 जुलाई 2026 को चरणबद्ध तरीके से हाका दल एवं स्थानीय सहयोग से मुख्य मार्गों पर विचरण कर रहे गोवंश को ग्राम बांदर खो स्थित गौशाला में स्थानांतरित किया जाएगा। गौशाला में गोवंश के लिए चारा, पेयजल, सुरक्षा एवं समुचित रखरखाव की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी।

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का तृतीय चरण 13 जुलाई से

जिले के 11,595 पशुपालक परिवारों तक पहुंचेगा विभागीय अमला, वैज्ञानिक पशुपालन की दी जाएगी जानकारी

नर्मदापुरम(निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के नेतृत्व में पशुपालन एवं डेयरी विभाग, नर्मदापुरम द्वारा जिले में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने तथा पशुपालकों को वैज्ञानिक पशुपालन के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का तृतीय चरण 13 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक संचालित किया जाएगा। उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ. शैलेन्द्र नेमा ने बताया कि अभियान के दौरान जिले के सभी सात विकासखंडों—नर्मदापुरम, बाबई, पिपरिया, बनखेड़ी, सोहागपुर, सिवनी मालवा एवं केसला में विभागीय मैदानी अमला 11,595 पशुपालक परिवारों तक पहुंचकर संपर्क, मार्गदर्शन एवं जागरूकता अभियान संचालित करेगा। अभियान के तहत प्रत्येक सर्वेयर प्रतिदिन 10 पशुपालक परिवारों के घर पहुंचकर वैज्ञानिक पशुपालन संबंधी जानकारी प्रदान करेगा।अभियान के तृतीय चरण में विशेष रूप से ऐसे पशुपालकों को शामिल किया गया है जिनके पास 3 से 4 गौवंश अथवा भैंसवंशीय पशु हैं। विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी पशुपालकों से सीधे संवाद स्थापित कर उन्हें पशु नस्ल सुधार, संतुलित पशु आहार, हरे चारे के बेहतर प्रबंधन, पशुओं के स्वास्थ्य संरक्षण, मौसमी बीमारियों की रोकथाम, नियमित टीकाकरण तथा वैज्ञानिक पशुपालन की आधुनिक तकनीकों की जानकारी देंगे।

सफलता की कहानी

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से बदली महिला की जिंदगी

स्व-सहायता समूह से जुड़कर टमू केवट बनीं आत्मनिर्भर, गल्ला व्यवसाय एवं सिलाई कार्य से बढ़ी आय

नर्मदापुरम (निप्र)। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में संचालित प्रयास लगातार सकारात्मक परिणाम दे रहे हैं। विकासखंड बाबई के ग्राम गनेरा निवासी टमू केवट इसकी प्रेरणादायी मिसाल हैं, जिन्होंने स्व-सहायता समूह से जुड़कर अपनी आर्थिक स्थिति को सशक्त बनाया है। टमू केवट वर्ष 2018 में याशिका स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। समूह से जुड़ने से पहले वे मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करती थीं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत समूह को प्राप्त रिवॉल्विंग फंड (आरएफ) एवं बैंक ऋण की सहायता से उन्होंने गल्ला खरीदी एवं सिलाई कार्य प्रारंभ किया। इस व्यवसाय से उनकी व्यक्तिगत मासिक आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

वर्तमान में उनकी व्यक्तिगत मासिक आय लगभग 16 से 19 हजार रुपये तथा परिवार की मासिक आय लगभग 28,500 रुपये तक पहुंच गई है, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। टमू केवट ने बताया कि स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें स्वरोजगार का अवसर मिला और आज वे आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक मजबूती में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

उनकी सफलता अन्य ग्रामीण महिलाओं के लिए भी प्रेरणास्त्रोत है।राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से जिले में महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़कर स्वरोजगार, वित्तीय सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

सामान्य प्रशासन स्थायी समिति की बैठक 14 जुलाई को

नर्मदापुरम(निप्र)। जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन स्थायी समिति की बैठक का आयोजन 14 जुलाई 2026 को दोपहर 12:00 बजे से कार्यालय जिला पंचायत नर्मदापुरम के सभाकक्ष में किया गया है। उक्त बैठक में पूर्व बैठक के कार्यवाही विवरण, जिला पंचायत के आय व्यय के संबंध में चर्चा एवं अन्य विषयों पर चर्चा की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com